सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 04, नई दिल्ली | सोमवार, 20 मार्च 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

जिन्दगी का हर एक छोटा हिस्सा ही, हमारी जिदंगी की सफलता का बड़ा हिस्सा होता है !

इनसाइड

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में बांटा 804 करोड़ का भूमि मुआवजा

शिमला। सीएम ने शिमला-मटौर सड़क, पठानकोट-मंडी सड़क, शिमला बाईपास और पिंजौर-बद्दी-नालागढ़ सड़क की प्रगति की भी समीक्षा की और परियोजनाओं के निर्माण कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने रविवार को प्रदेश में निर्माणाधीन विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को भूमि मुआवजा, वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) और वन संरक्षण अधिनियम (एफसीए) की मंजूरी से संबंधी मामलों और परियोजनाओं के कार्यान्वयन में आ रही बाधाओं निपटाने के निर्देश दिए। सीएम ने विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए एक माह के भीतर 804 करोड़ रुपये के भूमि मुआवजे का वितरण करने के लिए अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की और 27 मार्च 2023 तक करीब 750 करोड़ रुपये के शेष मुआवजे के मामलों की वितरण प्रक्रिया को पूरा करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को एफआरए-एफसीए स्वीकृति संबंधी मामलों की हर 15 दिनों में निगरानी कर इनमें तेजी लाने के निर्देश दिए। इन मामलों में हुई प्रगति की समीक्षा के लिए 27 मार्च को बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में सड़कें परिवहन का मुख्य साधन हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को समयबद्ध पूरा करने के लिए राज्य सरकार की की ओर से मुआवजे और स्वीकृतियों से संबंधित मामलों का निपटारा किया जा रहा है। इस अवसर पर राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (सूचना प्रौद्योगिकी एवं नवाचार), गोकुल बुटेल, मुख्यमंत्री के ओएसडी गोपाल शर्मा, प्रधान सचिव ओंकार शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव भरत खेड़ा, एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी अब्दुल बासित सहित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

व्यवसायिक सवारी वाहनों को चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस के साथ बेज क्यों है आवश्यक, जानें

किसी भी श्रेणी के व्यवसायिक वाहन को चलाने के चालक के पास उसी श्रेणी का ड्राइविंग लाइसेंस होना अनिवार्य है।

संजय बाटला

नई दिल्ली। कुछ सालो पहले तक व्यवसायिक वाहन को चलाने के लिए चालक को वाहन श्रेणी के लिए अलग अलग श्रेणी के ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए जाते थे
हल्के वाहनों को चलाने के लिए:- कमर्शियल लाइसेंस,
मध्यम वाहनों को चलाने के लिए:- मीडियम कमर्शियल लाइसेंस और
भारी वाहनों को चलाने के लिए:- हैवी कमर्शियल लाइसेंस
लेकिन श्रेणी के लाइसेंस होने के बावजूद भी चालक को व्यवसायिक सवारी वाहनों को चलाने की इजाजत नहीं मिलती जब तक वह लाइसेंस होल्डर अपने राज्य की परिवहन शाखा से ड्राइवर बेज ना प्राप्त कर ले।
आज की तारिख में व्यवसायिक वाहनों को चलाने के लिए चालक को निजी वाहन और हल्के व्यवसायिक वाहन चलाने के लिए निजी वाहन के लिए प्राप्त ड्राइविंग लाइसेंस मान्य है और मध्यम और भारी वाहनों को चलाने के ट्रांसपोर्ट श्रेणी का ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया जाता हैं।
लेकिन व्यवसायिक सवारी वाहन को चलाने के लिए श्रेणी के लाइसेंस के साथ परिवहन विभाग द्वारा जारी बैज होना आवश्यक है।

बैज क्यों है आवश्यक

ड्राइविंग लाइसेंस के साथ बैज की जरूरत जनहित और सार्वजनिक वाहनों में सफर करने वालो की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य किया गया है।

बैज प्राप्त चालक पर सुरक्षा का विश्वास क्यों ?

बैज प्राप्त करने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस होल्डर को सर्वप्रथम अपने क्षेत्र के परिवहन विभाग के कार्यालय में जाकर अपनी पुलिस वेरिफिकेशन के लिए प्रार्थना पत्र लिखकर जमा करवाना पड़ता है जिसके आधार पर शाखा प्रमुख (एमएलओ) पुलिस से उस लाइसेंस होल्डर की पुलिस वेरिफिकेशन करवाता है, पुलिस वेरिफिकेशन के प्राप्त होने के बाद ही परिवहन विभाग अन्य सभी जरूरी दस्तावेजों और मान्य फीस जमा करवा कर उस ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ड्राइविंग बैज जारी करता है।
पुलिस वेरिफिकेशन के बाद ड्राइविंग लाइसेंस धारक को परिवहन विभाग द्वारा अधिकृत ड्राइविंग स्किल डेवलपमेंट स्कूल से बैज प्राप्त करने का कोर्स करना अनिवार्य है।
पुलिस वेरिफिकेशन, बैज कोर्स सर्टिफिकेट, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पैन कार्ड को ऑनलाईन आवेदन प्रक्रिया से अपलोड करने के बाद मान्य फीस जमा करने के बाद परिवहन विभाग की तरफ से पूर्ण जांच के बाद ड्राइविंग लाइसेंस धारक को व्यवसायिक सवारी वाहन चलाने के लिए ड्राइविंग बैज जारी किया जाता हैं।

परिवहन विभाग द्वारा जारी अधुरे दिशा निर्देशों के कारण काफी ड्राइविंग लाइसेंस धारकों को परेशानी के दौर से गुजरना पड़ता है और यहां तक भी देखा गया है की ड्राइविंग लाइसेंस धारक सभी कागजी कार्यवाही पूरी करने के बाद भी ड्राइविंग बैज नही प्राप्त कर पाता।

ड्राइविंग बैज प्राप्त करने के लिए क्या ड्राइविंग लाइसेंस धारक को परेशानी होती हैं ?

परिवहन विभाग द्वारा जारी अधुरे दिशा निर्देशों के कारण काफी ड्राइविंग लाइसेंस धारकों को परेशानी के दौर से गुजरना पड़ता है और यहां तक भी देखा गया है की ड्राइविंग लाइसेंस धारक सभी कागजी कार्यवाही पूरी करने के बाद भी ड्राइविंग बैज नही प्राप्त कर पाता।
यहां आपकी जानकारी के लिए बता रहें हैं क्या है परिवहन विभाग के दिशा निर्देश में कमी जिसके कारण बैज प्राप्त करने वालो को परेशानियों के साथ बार बार परिवहन विभाग कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं
परिवहन विभाग द्वारा ड्राइविंग बैज जारी करने से पहले करवाई जाने वाली पुलिस वेरिफिकेशन के लिए ऑनलाइन आवेदन और प्राप्त करना शुरू नहीं किया और ना ही दिल्ली पुलिस से प्राप्त होने वाली पुलिस वेरिफिकेशन को सीधे तौर पर एप्लीकेशन के साथ कनेक्ट करने की जरुरत नही समझी । किसी भी ड्राइविंग लाइसेंस धारक को बैज जारी करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज़ है पुलिस वेरिफिकेशन, दूसरा परिवहन विभाग द्वारा जारी आदेश ₹किसी भी ड्राइविंग लाइसेंस धारक की पुलिस वेरिफिकेशन में कोई केस दर्ज नज़र आ रहा है तो एमएलओ ड्राइविंग बैज जारी करने से रोक सकता हैर पर आज तक परिवहन विभाग द्वारा यह नहीं बताया गया कि किस अपराधिक केस या धारा के आधार पर बैज जारी करने से रोका जा सकता है और अगर कोई ड्राइविंग लाइसेंस धारक अपने द्वारा हुई किसी भी गलती कि सजा भुगत चुका हो तो उस ड्राइविंग लाइसेंस धारक को ड्राइविंग बैज प्रदान करना है या नहीं ?
यह है मुख्य कारण जिसके कारण ड्राइविंग लाइसेंस धारक को ड्राइविंग बैज प्राप्त करने के लिए परिवहन विभाग की शाखा में धक्के लगाने पड़ते हैं और उसके बाद भी यह पक्का नहीं की ड्राइविंग बैज जारी होगा।
परिवहन विभाग द्वारा तत्काल प्रभाव से यह साफ दिशा निर्देश जारी करना चाहिए की किस अपराधिक धारा के लिए ड्राइविंग बैज जारी नही करना और उन धाराओं के अतिरिक्त धाराओं के पुलिस वेरिफिकेशन में होने पर भी बैज जारी कर दिया जाए, और दिल्ली पुलिस द्वारा जारी पुलिस वेरिफिकेशन को एनआईसी के माध्यम से सीधे एप्लीकेशन के साथ कनेक्ट करवाए।

यमुना एक्सप्रेसवे पर आपस में भिड़ीं दो कारें, 2 बच्चों सहित 8 घायल

ग्रेटर नोएडा स्थित यमुना एक्सप्रेसवे पर दो कारें आपस में भीड़ गई। इस सड़क हादसे में 3 बच्चों सहित 8 लोग घायल गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा स्थित यमुना एक्सप्रेसवे पर शनिवार की देर रात दो कारें टकरा गई। इस भीषण सड़क हादसे में दो बच्चों सहित 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच कर

घायल को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।
पुलिस ने सड़क हादसे के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार देर रात ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे पर दो कारों की टक्कर हो गई, जिसमें दो बच्चों सहित आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।
घायलों की पहचान ओम प्रकाश गोयल, उनकी पत्नी लता देवी गोयल, प्रशांत गोयल, पंकज गोयल, उनकी पत्नी शालू गोयल और मुकेश सैनी के रूप में हुई है, जिनमें दो बच्चे रौनक और रिद्धि के रूप में हुई है। एडिशनल डीसीपी ग्रेटर नोएडा राजीव दीक्षित ने बताया कि एक तेज रफ्तार कार दूसरे से टकरा गई, जिससे दोनों वाहन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए, जिसमें एक सड़क पर पलट गया। हादसे के कारण एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक जाम हो गया और पुलिस को क्रेन की मदद से दोनों कारों को हटवाया।

दिल्ली की बसों में मार्शलों की तैनाती जारी रखी जाए, दिल्ली हाईकोर्ट में पीआईएल हुई दाखिल

नई दिल्ली : दिल्ली बस मार्शल योजना के तहत दिल्ली की बसों में मार्शलों की तैनाती को जारी रखने की मांग को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में पीआईएल दाखिल की गई, जिसमें कहा गया है कि दैनिक आधार पर बसों का उपयोग करने वाले यात्रियों में समग्र अनुशासन बनाए रखने के लिए दिल्ली की बसों में बस मार्शलों की तैनाती जारी रखना आवश्यक है. सामाजिक कार्यकर्ता और वकील अमित साहनी की तरफ से यह याचिका दायर की गई है. न्यूज एजेंसी ANI के अनुसार, दिल्ली बस मार्शल योजना की शुरुआत दिल्ली में सार्वजनिक बसों में महिलाओं की सुरक्षा में सुधार के लिए परिवहन विभाग द्वारा 2015 में की गई थी. PIL में कहा गया है कि हालिया मीडिया में आई रिपोर्टों के अनुसार "DTC बसें बिना मार्शल के चल रही हैं". इसमें यह भी कहा गया है कि दिल्ली सरकार की बस मार्शल योजना की वजह से दिल्ली की बसों में छेड़छाड़, चोरी के मामले कम हुए हैं. इसके अलावा दैनिक आधार पर बसों का उपयोग करने वाले यात्रियों में समग्र अनुशासन बनाए रखने के लिए दिल्ली की बसों में बस मार्शलों की तैनाती जारी रखना आवश्यक है. याचिकाकर्ता अमित साहनी की तरफ से कहा गया है कि संविधान का अनुच्छेद 21 में निहित प्राण और दैहिक स्वतंत्रता की सुरक्षा का प्रावधान देता है. साथ ही सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण में यात्रा करना भी भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 का एक हिस्सा है. प्रत्येक व्यक्ति/नागरिक को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करना राज्य का कर्तव्य है।

बेंगलुरु में 'अवैध' बाइक टैक्सियों के खिलाफ हड़ताल पर जाएंगे ऑटोरिक्शा चालक, एक साथ आए 21 संगठन

बेंगलुरु। आदर्श ऑटो एंड टैक्सी ड्राइवर्स यूनियन के प्रमुख एम मंजूनाथ ने बताया कि रविवार आधी रात से सोमवार आधी रात तक दो लाख से ज्यादा ऑटोरिक्शा सड़कों से नदारद रहेंगे। यूनियन, कर्नाटक की राजधानी में ऑटोरिक्शा चालकों का सबसे बड़ा संगठन है। बेंगलुरु में ऑटोरिक्शा चालक शहर में चल रहे निजी बाइक टैक्सी एग्रीगेटर्स के विरोध में सोमवार को हड़ताल पर जाएंगे। आदर्श ऑटो एंड टैक्सी ड्राइवर्स यूनियन के प्रमुख एम मंजूनाथ ने बताया कि रविवार आधी रात से सोमवार आधी रात तक दो लाख से ज्यादा ऑटोरिक्शा सड़कों से नदारद रहेंगे। यूनियन, कर्नाटक की राजधानी में ऑटोरिक्शा चालकों का सबसे बड़ा संगठन है।

आज रात से चौबीस घंटे की हड़ताल करेंगे ऑटोरिक्शा चालक

ऑटोरिक्शा चालक बेंगलुरु सिटी रेलवे स्टेशन से मुख्यमंत्री आवास तक मार्च भी निकालेंगे। मंजूनाथ ने कहा, 'हम रविवार आधी रात से 24 घंटे की हड़ताल करेंगे। हमारा आंदोलन शहर में चल रही बाइक टैक्सियों के अवैध संचालन के खिलाफ है। उन्होंने दावा किया कि राज्य परिवहन विभाग बाइक टैक्सियों को अवैध मानता है, लेकिन फिर भी वे शहर की सड़कों पर बेखौफ चल रहे हैं।

बाइक टैक्सियों के खिलाफ एक साथ आए 1 ऑटोरिक्शा चालक संघ

मंजूनाथ ने यह भी कहा कि बाइक टैक्सियों के खिलाफ 21 ऑटोरिक्शा चालक संघ एक साथ आए हैं। हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें एक ऑटोरिक्शा चालक ने शहर के एक प्रमुख चौराहे पर एक बाइक टैक्सी चालक का मोबाइल फोन तोड़ दिया था। ऑटोरिक्शा चालक और बाइक टैक्सी ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए बेंगलुरु की सड़कों पर जगह पाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

साइक्लोथान के कारण बंद रही एलिवेटेड रोड, वाहन चालक हुए परेशान

वाहन चालकों को ट्रैफिक पुलिस की ओर से जारी होने वाली रूट डायवर्जन का पालन कर अपने गंतव्य की ओर जाना पड़ा। एलिवेटेड रोड पर चढ़ने वाले सभी लूप को बैरिकेड लगाकर पहले ही बंद किया गया था। यातायात सुरक्षा के मद्देनजर 150 से अधिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई थी।

नोएडा। एचसीएल फाउंडेशन की ओर से रविवार सुबह पांच बजे साइक्लोथान का आयोजन हुआ। अपर मुख्य सचिव, खेल एवं युवा कल्याण नवनीत सहगल और पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने साइक्लोथान को हरी झंडी दिखा रवाना किया गया। साइक्लोथान में भाग लेने वाले लोगों ने साइकिल चलाकर स्वस्थ रहने का संदेश दिया।
साइक्लोथान का आयोजन सेक्टर-18 मल्टी लेवल कार पार्किंग से शुरु होकर एलिवेटेड रोड होते हुए सेक्टर-60 होते हुए मल्टी लेवल कार पार्किंग पर समाप्त हुआ। इसमें सैकड़ों की संख्या में साइकिलिस्ट ने भाग लिया। ट्रैफिक के मद्देनजर रविवार सुबह पांच बजे से दस बजे तक एलिवेटेड रोड पर डायवर्जन लागू रहा।
वाहन चालकों को ट्रैफिक पुलिस की ओर से जारी होने वाली रूट डायवर्जन का पालन कर अपने गंतव्य की ओर जाना पड़ा। एलिवेटेड रोड पर चढ़ने वाले सभी लूप को बैरिकेड लगाकर पहले ही बंद किया गया था। यातायात सुरक्षा के मद्देनजर 150 से अधिक ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई थी। साइक्लोथान में प्रथम तीन विजेताओं को पुरस्कार और नकद राशि देकर सम्मानित किया गया।
साइक्लोथान के कारण इन रास्तों पर रहा बदलाव
-चिल्ला रेड लाइट, डीएनडी की ओर से आकर फिल्मसिटी फ्लाई ओवर से एलिवेटेड होकर जाने वाला यातायात एक्सप्रेस-वे पर गंदा नाला से आगे बाएं मुड़कर सेक्टर 37 से सेक्टर 71 होकर गंतव्य की ओर जाना पड़ा।
-नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर ग्रेटर नोएडा की ओर से आकर एलिवेटेड होकर जाने वाला यातायात महामाया फ्लाईओवर से सेक्टर 3, सिटी सेंटर, सेक्टर-71 होकर गंतव्य की ओर जाना पड़ा।
-कैम्ब्रिज स्कूल तिराहा होकर एलिवेटेड से जाने वाला यातायात कैम्ब्रिज तिराहा से बाएं मुड़कर एलिवेटेड के नीचे होकर गंतव्य की ओर जाना पड़ा।

कथित घोटाले के आरोप में जेल में बंद मंत्री मनीष सिसौदिया उपस्थित नहीं हो पाये।

केजरीवाल ने रोहिणी सैक्टर 18 में स्कूल आफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस क्षेत्रीय जन को किया समर्पित

एसठी सेठी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रोहिणी के सैक्टर 18 में गरीब बच्चो के लिए एक और स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस रविवार को आम जनता के लिए समर्पित किया। इस स्कूल की नींव पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसौदिया ने रखी थी। लेकिन कथित घोटाले के आरोप में जेल में बंद मंत्री मनीष सिसौदिया उपस्थित नहीं हो पाये।
इस मौके पर दिल्ली सरकार के अधिकारी व रिठाला वार्ड के विधायक मोहिंदर गोयल, क्षेत्रीय पार्षद प्रदीप मित्तल, वार्ड 24 की पार्षदा पुष्पा सुरेंद्र सौलंकी, समेत सैंकडों की संख्या में रिठाला वार्ड के कार्यकर्ताओं के हजूम के अलावा क्षेत्रीय जन समूह भी उपस्थित था। रिठाला वार्ड में मनीष सिसौदिया के समर्थन में चला रहे कैंपेन में कार्यकर्ताओ ने सिसौदिया की गिरफ्तारी को लेकर अपना जबरदस्त विरोध प्रकट करते हुए पीएम मोदी के खिलाफ नारे लगाते हुए जलूस भी निकाला।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

21 साल के बाद हर महिला जरूर कराएं ये टेस्ट, कैंसर से बचने की होगी गारंटी,अन्य बीमारियों का पता भी

पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है. पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है.

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 2020 में एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर के कारण हुई है. हर 6 में से एक मौत कैंसर से होती है. इनमें से सबसे ज्यादा संख्या ब्रेस्ट कैंसर से होने वाली मौतों की है. इसके बाद महिलाओं में सबसे ज्यादा मौत सर्वाइकल कैंसर या गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से होती है.

डब्ल्यूएचओ के ही आंकड़ों के मुताबिक सर्विकल कैंसर से हर साल 5.30 लाख महिलाओं की मौत होती है. सर्वाइकल कैंसर की सबसे बड़ी वजह एचपीवी वायरस है. चिंता की बात यह है कि यह वायरस कई वर्षों तक महिलाओं के प्रजनन अंगों में निष्क्रिय रहकर फिर से सक्रिय हो सकता है. यही कारण है कि डॉक्टर 21 साल की उम्र से अधिक की सभी महिलाओं को नियमित रूप से पैप स्मीयर टेस्ट कराने की सलाह देते है. पैप स्मीयर टेस्ट या पैट टेस्ट महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए किया जाता है. इस टेस्ट के लिए महिलाओं की सर्विक्स से कोशिकाओं से सैंपल निकाला जाता है और इसका विश्लेषण किया जाता है. इससे महिलाओं के प्रजनन अंगों में अन्य चीजों के बारे में पता लगाया जा सकता है.

क्यों करानी जरूरी है सर्वाइकल कैंसर की जांच

मायो क्लिनिक के मुताबिक महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर बहुत ही गंभीर बीमारी है जिसमें अधिकांश मरीजों की मौत हो जाती है. सर्वाइकल कैंसर महिलाओं के प्रजनन अंगों यानी गर्भाशय के मुंह पर होता है. सर्वाइकल कैंसर की मुख्य वजह ह्यूमन पेपिलोमावायरस (human papillomavirus) है. यह वायरस फिजिकल रिलेशन बनाने वाली हर महिला में होता है. आमतौर पर इम्यून सिस्टम इस वायरस को खत्म कर देता है या रहता भी है तो कोई नुकसान नहीं पहुंचाता. लेकिन किसी-किसी महिलाओं में यह वायरस गर्भाशय ग्रीवा के पास लंबे समय तक निष्क्रिय हो जाता है और वर्षों बाद कभी भी सक्रिय हो जाता है. पैप स्मीयर टेस्ट से यह पता लगाया जाता है कि यह वायरस भविष्य में कैंसर तो नहीं दे सकता. अगर वायरस में कैंसर फैलाने की क्षमता होती है तो इसे हटाकर महिलाओं को मौत के मुंह से बचाया जा सकता है.

किसे कराना चाहिए यह टेस्ट

आमतौर पर डॉक्टर 21 से 65 साल के बीच हर महिलाओं को पैप स्मीयर टेस्ट कराने की सलाह देते हैं. हालांकि यह डॉक्टर बताते हैं कि पैप स्मीयर टेस्ट कराने का समय क्या है. आमतौर पर प्रति तीन साल में एक बार यह टेस्ट कराने के लिए कहा जाता है. 30 साल से उपर की महिलाओं को एचपीवी टेस्ट के साथ प्रति पांच साल में एक बार यह टेस्ट जरूर कराना चाहिए. लेकिन अगर महिलाओं में गर्भाशय से संबंधित जटिलताएं हैं तो डॉक्टर जल्दी-जल्दी भी यह टेस्ट कराने की सलाह देते हैं. अगर इम्यून सिस्टम कमजोर है, एचआईवी है, स्मोकिंग करती हैं, स्टेरॉयड का इस्तेमाल करती हैं तो ऐसी महिलाओं को जल्दी-जल्दी जांच की जरूरत पड़ती है.

जांच में क्या होता है

पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है. इस प्रक्रिया के दौरान डॉक्टर संभावित प्रीकैंसर कोशिकाओं को काटकर हटा भी देती हैं. इस टेस्ट से गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाओं में किसी असामान्य बदलावों का पता लगाना होता है ताकि यह पता लगाया जा सके भविष्य में सर्विक्स में कैंसर होने का खतरा तो नहीं है. चूंकि सर्वाइकल कैंसर के लक्षण सालों तक बाहर नहीं दिखते।

शुरू करना है खुद का बिजनेस, इन 8 ज़रूरी बातों को रखें याद

यदि आप अपना खुद का कोई बिजनेस शुरू करना चाहती हैं तो सबसे पहले अपने टार्गेट ऑडियंस को ध्यान में रखना होगा. साथ ही शुरुआत में पैसों के इन्वेस्टमेंट, मार्केटिंग आदि पर भी ध्यान देना होगा, तभी आप एक सक्सेफुल बिजनेस वूमने बन सकेंगी.

आज महिलाएं अपना नाम हर फील्ड में बना रही हैं. कुछ ऑफिस में काम करती हैं, तो कुछ अपना बिजनेस कर रही हैं और उसमें सफलता हासिल कर रही हैं. अक्सर कुछ महिलाएं शादी इसलिए भी देर से करती हैं कि वे एक कामयाब वर्किंग वूमन बन जाएं. कुछ महिलाएं ऐसी भी होती हैं, जो शादी के बाद घर चलाने के साथ ही कुछ काम भी करना चाहती हैं. खुद का बिजनेस करना चाहती हैं. यदि आपकी भी शादी हो गई है और आपका कुछ सपना था बनने का, किसी तरह का बिजनेस करने का तो अब भी देर नहीं हुआ है. आप अपना खुद का बिजनेस शुरू कर सकती हैं. यदि आप ऑफिस जाकर 9 घंटे की शिफ्ट नहीं करना चाहती हैं तो आप घर से कोई काम कर सकती हैं. हालांकि, कोई भी बिजनेस शुरू करने से पहले आपको कुछ जरूरी बातों का ध्यान भी रखना होगा, ताकि आप अपने बिजनेस को बढ़ाने में सफल हो सकें.

कौन-कौस सा बिजनेस कर सकती हैं

आप यदि अपना बिजनेस करना चाहती हैं तो आप वही काम करें जिसमें आपने पढ़ाई की या कोई डिग्री ली हो. कई बार शादी हो जाने के बाद महिलाएं आगे पढ़ाई या करियर नहीं बना पाती हैं. ऐसे में महिलाओं के लिए अपना फैशन बुटीक खोलना, सिलाई-कढ़ाई का काम करना, इंटीरियर डिजाइनिंग, टिफिन सर्विस, होम ट्यूशन, एफिलिएट मार्केटिंग, डांस क्लास, रेडीमेड गार्मेंट बेचना, खुद का ब्यूटी पार्लर खोलना, केक मेकिंग बिजनेस, पैकिंग बिजनेस, अचार या पापड़ बनाने का काम आदि कई ऐसे काम हैं, जो आप घर बैठे कर सकती हैं और बेहतर कमाई कर सकती हैं.

बिजनेस की शुरुआत करने से पहले रखें इन 8 बातों का ध्यान

-बिजनेस चाहे छोटा हो या बड़ा, इसमें सफलता पाना आसान नहीं. यह एक दिन का काम नहीं कि आज बिजनेस की शुरुआत की और कल से ही कमाई होने लगे. इसके लिए आपको धैर्य, लगन, मेहनत, हिम्मत और समझदारी से काम लेना होगा. यदि आप अपनी मन-पसंद का कोई भी बिजनेस करना चाहती हैं तो पहले किसी सफल बिजनेस वूमेन के बारे में पढ़ें, जानें कि उन्होंने किस प्लानिंग के तहत इसकी शुरुआत की थी.

-यदि आपकी कोई दोस्त या घर-परिवार में किसी ने भी अपना बिजनेस शुरू किया है तो उससे पहले बात करें. यह जानने की कोशिश करें कि आज की डेट में किस काम में हाथ लगाना आपके लिए मुनाफे का सौदा साबित हो सकता है. कई बार अपना बिजनेश शुरू तो लोग कर देते हैं, लेकिन उसे लंबे समय तक बरकरार रख पाना काफी चुनौती भरा काम होता है.

-किसी भी बिजनेस को शुरू करने से पहले रिसर्च करना जरूरी है. यदि आप बिना रिसर्च किए कुछ भी काम शुरू करती हैं तो सफल होने की संभावना कम हो जाती है. जल्दबाजी में कोई काम ना करें शुरू. रिसर्च करने से जान पाएंगी कि आप अपने प्रोडक्ट, काम को मार्केट में कितने समय के लिए एक्टिव रख सकेंगी.

-किसी भी बिजनेस को शुरू करने के लिए लोकेशन या स्थान भी मायने रखता है. यदि आप लोगों की पहुंच से दूर अपना ऑफिस सेटअप करती हैं या बिजनेस की शुरुआत करती हैं तो आप अपने टार्गेट कस्टमर की संख्या को बढ़ाने में नाकामयाब हो सकती हैं. बिजनेस के लिए ऐसा लोकेशन चुनें, जहां ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ती रहे.

-किसी भी काम को शुरू करने से पहले पूंजी बेहद मायने रखती है. व्यवसाय को शुरू करने के लिए आप कहां से कैपिटल को मैनेज करेंगी, इस पर सबसे पहले बात-विचार करें. यदि आप लोन लेंगी तो इसके लिए भी किसी एक्सपर्ट से राय जरूर ले लें. आप कब, किस तरह से लोन के पैसे चुकाएंगी इसकी प्लानिंग बेहद जरूरी है.

-यदि आप खुद की सेविंग्स से बिजनेस की शुरुआत करने वाली हैं तो पहले बिजनेस के नेचर को समझें. शुरुआत में बहुत ज्यादा पैसा लगा देना समझदारी नहीं होगी. इससे आपका व्यवसाय सफल हो जाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं. ऐसे में सोच-समझकर ही चीजों पर इनवेस्ट करें. स्टेप बाई स्टेप पैसे खर्च करें. एक्सपर्ट की राय लेना भी जरूरी है.

-आप हाउस वाइफ हैं और अपना काम शुरू कर रही हैं तो इसके लिए आपको बिजनेस में अपना समय भी देना होगा. खासकर, शुरुआत के एक साल आपके लिए चुनौतियों भरा हो सकता है. इसके लिए बिना धैर्य खोए अपनी सारी ऊर्जा लगाते हुए टाइम मैनेज करना भी आना होगा, ताकि आप घर और अपने काम को सही तरीके से संभाल सकें.

-व्यवसाय को सफल बनाने के लिए आपकी मार्केटिंग भी जबरदस्त होनी चाहिए. इसके लिए कुछ पैसा मार्केटिंग पर भी आपको खर्च करना पड़ सकता है. आप जितना शुरुआत में अपने बिजनेस की मार्केटिंग करेंगी, लोगों तक यह उतना ही पहुंचेगा. किसी भी काम को प्रमोट या मार्केटिंग किए बिना उसे आज के दौर में सफल बनाना थोड़ा मुश्किल काम हो सकता है. आप जो काम शुरू करने जा रही हैं, वो काम पहले से ही यदि दस लोग कर रहे हैं तो आपको खुद को सफल बनाने के लिए जबरदस्त मार्केटिंग, प्रमोशन, टेक्निकल

महिलाएं इन तरीकों से बढ़ाएं अपना सेल्फ कॉन्फिडेंस, नेगेटिविटी को ऐसे करें दूर

कहावत है कि अगर आपको खुद पर भरोसा है तो समझिए आपने आधा युद्ध पहले ही जीत लिया है. जी हां, इस बात में कोई शक नहीं है कि अगर आप अपने अंदर की ताकत को पहचानती हैं और हर हालात में खुद पर भरोसा रखती हैं तो आपकी ये ताकत हर काम को आसान बना देने का सबसे बड़ा हथियार साबित हो सकता है. ये आत्मविश्वास ही है कि आप हर वक्त सीखने के लिए तैयार रहती हैं और गलतियों से डरने की बजाय, सीख लेना पसंद करती हैं. ऐसे में अगर आप महसूस कर रही हैं कि आपके अंदर का आत्मविश्वास कहीं गायब हो गया है और आप खुद के प्रति सकारात्मक महसूस नहीं कर पाती हैं तो हम आपकी मदद कर सकते हैं.

महिलाएं इस तरह बढ़ाएं अपना आत्मविश्वास

गलतियों से सीख लें- इंसान होने के नाते गलतियां करना आपका अधिकार है. हर इंसान गलतियों से ही सीखता है. ऐसे में अगर आप गलतियों से डरती हैं तो इस डर को अपने बाहर निकाल फेंकिए. क्योंकि आप इंसान हैं, भगवान नहीं.

नकारात्मक विचारों को रोकें- अगर आप किसी बात को लेकर परेशान हैं या कुछ नकारात्मक बातें आपको परेशान कर रही हैं तो खुद को ऐसा करने से तुरंत रोकें. यह सोचें कि आपकी सोच ही आपको और आपके आत्मविश्वास को बढ़ाती या कम करती है. खुद को सकारात्मक सोच के लिए हमेशा मोटिवेट करें.

ना कहने से डर कैसा- कई महिलाओं को ना करने में दिक्कत होती है. ऐसे में वे ऐसे काम भी करने लगती हैं जिसे वे बिलकुल करना पसंद नहीं करतीं. आपको बता दें कि ना कहने का मतलब किसी का अपमान करना नहीं होता, और ना ही इंप्रेशन बनाने के लिए ना कहना जरूरी होता है.

कभी कभी 'स्टॉप' कहना जरूरी- अगर कोई आपके सामने लगातार आपको यह बोल रहा है कि आप कितनी बुरी दिखती हैं, या आपको परफॉर्मेंस बहुत ही खराब है या तुम कुछ नहीं कर सकती आदि, तो उन्हें स्टॉप करना सीखें. अगर बोलने में असुविधा है तो आप ऐसी बातों पर हंस दें और ऐसी बातों को सकारात्मक रूप में लेते हुए खुद को बेहतर बनाने का बहाना बनाएं.

खुद को स्वीकारें- आप जैसी हैं अच्छी हैं. इस बात को खुद से बोलें. आप मोटी हैं, पतली हैं या दिखने में बेहद खूबसूरत नहीं हैं. ये बातें आपकी पूर्णता को नहीं बताते. आप जो हैं वो अपने काम से हैं, अपने बातचीत के तरीके से हैं, अपने व्यवहार और अपने आत्मविश्वास से हैं. खुद को खुद की तरह स्वीकारें और सकारात्मक रहें.

6 इलेक्ट्रोलाइट फूड जो महिलाओं को अपनी डाइट में ज़रूर करना चाहिए शामिल

शरीर में पानी की कमी होने पर इलेक्ट्रोलाइट का असंतुलन हो जाता है, जिसकी वजह से शरीर को कई तरह ही बीमारियों का सामना करना पड़ता है. इलेक्ट्रोलाइट नामक पोषक तत्व की कमी ज्यादातर बच्चों और औरतों में देखने को मिलती है. बच्चों में उल्टी, दस्त या डायरिया की वजह से ये परेशानी होती है, जबकि औरतें अपनी दिनचर्या में आलस के चलते कम पानी पीने की वजह से इसकी कमी की शिकार हो जाती हैं. ऐसे में महिलाओं को खासकर अपनी डाइट का विशेष ध्यान रखना चाहिए. आइए पहले जानते हैं कि शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी क्यों होती है?

क्या है कारण

स्विडिश डॉटओआरजी के मुताबिक, इलेक्ट्रोलाइट की कमी के कई कारण हैं, जिसमें उल्टी-दस्त होना, भरपूर मात्रा में पानी या तरल पदार्थ का सेवन न करना आदि शामिल हैं.

इलेक्ट्रोलाइट की कमी से क्या होता है?

अगर शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी हो जाए तो थकान, सुस्ती के साथ-साथ, उल्टी, दस्त की परेशानी होती है. इससे शरीर में पानी की और ज्यादा कमी होने लगती है. इलेक्ट्रोलाइट की कमी के चलते दिल की धड़कन भी सुस्त पड़ने लगती है, जो बड़ी बीमारी की वजह बन सकती है. इसके अलावा, सारे दिन थकान, सुस्ती और आलस शरीर में रहता है. डाइट में कुछ खास फूड शामिल करके महिलाएं अपने शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन को परफेक्ट कर सकती हैं.

नारियल पानी

हेल्दीफाईमी डॉट कॉम के अनुसार, नारियल इलेक्ट्रोलाइट बढ़ाने का सबसे अच्छा सोर्स माना जाता है. ये एक प्राकृतिक एनर्जी ड्रिंक की तरह काम करता है और नारियल पानी में पोटैशियम, मैंगनीज, विटामिन सी, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व शरीर में पानी की कमी को पूरा करते हैं, इसलिए नारियल पानी का नियमित सेवन करना चाहिए.

संतरा

सर्दियों में महिलाओं को संतरे का सेवन करना चाहिए, जिससे शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी पूरी की जा सके. संतरे में मौजूद विटामिन सी, विटामिन ए, विटामिन बी, एमिनो एसिड, कैल्शियम, आयोडीन, सोडियम, मिनरल्स और फाइबर जैसे पोषक तत्व ना केवल बॉडी में इलेक्ट्रोलाइट का संतुलन अच्छा करेंगे बल्कि इम्यूनिटी पावर भी बढ़ाएंगे.

छाछ

छाछ यानी मट्ठा में भी इलेक्ट्रोलाइट को बढ़ाने की क्षमता होती है. इसमें थोड़ा सा काला नमक और काली मिर्च को मिलाकर पीने से इम्यूनिटी भी बूस्ट होगी और शरीर में पानी की कमी पूरी हो जाएगी.

केला

केले में भरपूर इलेक्ट्रोलाइट युक्त मिनिरल्स पाए जाते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को पूरा करके इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन दूर करते हैं. इसमें भरपूर फाइबर होता है. केले में पोटैशियम, मैंगनीज, विटामिन बी 6, फाइबर, विटामिन सी, विटामिन ए, प्रोटीन और आयरन भरपूर मात्रा में होता है, जिससे शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी को दूर किया जा सकता है और शरीर को जरूरी पावर भी मिलती है. सर्दियों में हरी सब्जियों खासकर पालक का खूब सेवन करना चाहिए. पालक में इलेक्ट्रोलाइट्स की भरपूर मात्रा होती है और इसके सेवन से शरीर को सभी तरह के जरूरी मिनिरल्स, विटामिन, फाइबर और कैल्शियम मिलते हैं. इसके सेवन से शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन होता है और प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है. इनके अलावा, अनार, स्ट्रॉबेरी, आलूबुखारा जैसे फल खाने से भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स बढ़ता है. सब्जियों की बात करें तो आलू खाने से भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की मात्रा बढ़ती है और शरीर को ऊर्जा के साथ-साथ स्फूर्ति मिलती है.

भूकंप के उच्च क्षति जोखिम क्षेत्र में दिल्ली

तुर्किये में विनाश के बाद अलर्ट रहने को कहा गया

देश के भूकंपीय मानचित्र पर दिल्ली उच्च क्षति जोखिम क्षेत्र चार में आ गया है, ऐसे में किसी भी आपदा से बचाव के लिए तैयार रहना होगा। साथ ही दिल्ली में बढ़ते एच3एन2 फ्लू, एच1एन1 फ्लू और कोविड-19 की स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने को कहा गया है।

नई दिल्ली। तुर्किये और सीरिया में आए विनाशकारी भूकंप को देखते हुए दिल्ली प्रशासन को अलर्ट रहने को कहा गया है। साथ ही दिल्ली में कमजोर भवनों व बचाव के लिए खुली जगहों की पहचान की जाएगी। शनिवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना की अध्यक्षता में दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की 38वीं बैठक हुई। इसमें मुख्यमंत्री केजरीवाल, राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत के अलावा सेना, एनडीएमए, एनआईडीएम और राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान संस्थान के अधिकारी शामिल रहे। देश के भूकंपीय मानचित्र पर दिल्ली उच्च क्षति जोखिम क्षेत्र चार में आ गया है, ऐसे में किसी भी आपदा से बचाव के लिए तैयार रहना होगा। साथ ही दिल्ली में बढ़ते एच3एन2 फ्लू, एच1एन1 फ्लू और कोविड-19 की स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने को कहा गया है। एलजी ने कहा कि दिल्ली को किसी भी आपदा से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार रहने की जरूरत है।

भूकंप रोधी बिल्डिंग कोड के अनुसार, पुरानी दिल्ली के इलाकों में सभी स्कूलों, अस्पतालों, पुलिस स्टेशनों, अन्य महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों व कमजोर इमारतों की रेट्रोफिटिंग करना, भूकंप की स्थिति में बचाव के लिए खुली जगहों की पहचान करना, आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए प्रत्येक जिला और अनुमंडल के स्तर पर अस्पतालों की पहचान करना, आपात स्थिति में एंबुलेंस, फायर टेंडर और बचाव दल के लिए पहुंच सुनिश्चित करने के लिए संकरी गलियों और गलियों को चौड़ा करना, रेलवे टेलीफोन नेटवर्क के साथ संपर्क स्थापित करना होगा।

जल्द तैयार हो रिपोर्ट

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा से निपटने के लिए एक बार सभी विभागों से रिपोर्ट प्राप्त हो जाए तो उसके आधार पर रणनीति बनाकर इस दिशा में काम करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे। बैठक में इस बात पर सहमति हुई कि मंडलायुक्त जो डीडीएमए के नोडल अधिकारी और संयोजन भी हैं, यह कवायद को शुरू करेंगे। साथ ही एसडीएमए कार्यालय दिल्ली में बनाया जाएगा।

शुरू हुई आपदा मित्र योजना

दिल्ली में आपदा राहत स्वयंसेवकों के नामांकन और प्रशिक्षण के लिए 'आपदा मित्र' योजना शुरू की गई है। अब तक 1800 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित और नामांकित किया जा चुका है। दिल्ली दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला मेगा सिटी है। यहां करीब 35 लाख आवास इकाइयों में लगभग 2.5 करोड़ लोग रहते हैं। ये घर नियोजित कॉलोनियों, नियमित अनधिकृत कॉलोनियों, झुग्गी बस्तियों, झुग्गियों, अनधिकृत कॉलोनियों में हैं। दिल्ली में आवास का पैटर्न बिल्डिंग कोड के अनुसार नहीं है। ऐसे में यहां ज्यादा नुकसान की संभावना है।

सख्ती नहीं, सतर्क रहने की जरूरत

दिल्ली में बढ़ते एच3एन2 के मामलों को देखते हुए फिलहाल कोई सख्ती नहीं लगाई गई है, हालांकि सतर्क रहने को कहा गया है। बैठक में एच3एन2 फ्लू व कोरोना के मामलों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया कि मास्क को अनिवार्य नहीं किया जा रहा, न ही सख्ती बढाई जा रही है।

इस दिशा में होगा काम

- मॉक ड्रिल
- भवनों को बनाया जाएगा भूकंपरोधी
- नियमित प्रशिक्षण प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ाना
- आरडब्ल्यू, स्कूली छात्रों व अन्य के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाना।

घर बैठे ज्यादा पैसे कमाने का झांसा देकर ठगी करने वाले दो जालसाज गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी जिला साइबर सेल ने वर्क फ्राम होम के नाम पर ठगी करने वाले दो जालसाजों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जालसाजों के एक बैंक खाते को जब्त किया है। जिसमें 64 लाख रुपये हैं। आरोपी ने रोजाना तीन से 20 हजार रुपये का निवेश करने करने पर 30 फीसदी अधिक रिटर्न देने का झांसा देते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गांव टिकरी, बागपत यूपी निवासी अंकित राठी (30) और गांव किरथल बागपत निवासी सुधीर कुमार (45) के रूप में पुई है। पीतमपुरा निवासी हरीन बंसल ने बाहरी जिला साइबर सेल में ठगी की शिकायत की थी। जिसमें उसने बताया कि उसे इंस्टाग्राम पर घर से काम करके रोजाना बड़ी कमाई करने की एक पोस्ट मिली। उसपर क्लिक करने पर एक वेबसाइट पर पंजीकरण करने के लिए कहा गया। जिसके जरिए एक मोबाइल नंबर मिला। जिसपर बात करने पर कहा गया कि उन्हें वेबसाइट पर दिए गए कार्यों को पूरा करना है। आरोपियों ने कहा कि दिए गए कार्य पूरा करने पर उसे मूल राशि के साथ-साथ कमीशन मिलेगा। पीड़ित ने शुरु में कम राशि जमा की और अपने बैंक खाते में कमीशन भी निकाला, लेकिन बाद में अधिक पैसा निवेश करने पर वह उसे निकाल नहीं पाए। आरोपियों ने पैसे निकालने के लिए उससे कई मदों में 9.3 लाख रुपये की ठगी कर ली। निरीक्षक संदीप पंवार के नेतृत्व में जांच के दौरान पता चला कि पीड़ित से ठगे गए पैसे नौ अलग-अलग बैंक खाते में डाले गए हैं। इनमें छह लाख रुपये अंकित के खाते में भेजे गए थे। पुलिस टीम तकनीकी जांच कर अंकित को हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया। वह उस समय एक अन्य व्यक्ति के साथ बैंक में खाता खुलवाने जा रहा था। पूछताछ करने पर सुधीर के बारे में जानकारी मिली। पुलिस ने उसके निशानदेही पर सुधीर को गिरफ्तार कर लिया। वह बागपत में रियल एस्टेट एजेंट के रूप में काम करता है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि लोगों को अंशकालिक नौकरी का लालच दिया जाता था। उन्हें तीन हजार से 20 हजार का निवेश करने पर ज्यादा रकम कमाने का लालच दिया जाता था।

इनसाइड

खास विक्रेता से किताबें-वर्दी खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकेंगे निजी स्कूल, अवहेलना पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। निदेशालय ने स्पष्ट कहा है कि कोई भी निजी स्कूल कम से कम तीन साल तक स्कूल की वर्दी के रंग, डिजाइन व अन्य कोई बदलाव नहीं कर सकते हैं। वर्दी में बदलाव होने पर अभिभावकों को हर साल वर्दी खरीदनी पड़ जाती है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ता है। निजी स्कूल अपने विद्यार्थियों को किताबें एवं स्कूल की वर्दी (ड्रेस) किसी खास विक्रेता से खरीदने पर बाध्य नहीं कर सकेंगे। स्कूलों को अपनी वेबसाइट पर किताबें व वर्दी खरीदने के लिए कम से कम पांच दुकानों की सूची जारी करनी होगी। वहीं स्कूल तीन साल तक वर्दी में किसी तरह का बदलाव नहीं कर सकेंगे। शिक्षा निदेशालय ने यह आदेश जारी कर दिया है। स्पष्ट कहा है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली के स्कूलों में नया सत्र (2023-24) एक अप्रैल से शुरू होने वाला है। स्कूल खुलने पर किताबों व वर्दी की जरूरत होगी। हर साल निजी स्कूल संचालक अपने विद्यार्थियों पर किसी खास विक्रेता से वर्दी एवं किताब कॉपियां खरीदने का दबाव बनाते हैं। दरअसल निजी मान्यता प्राप्त स्कूल किताबों-पाठ्य सामग्री व वर्दी के नाम पर अभिभावकों से मोटा पैसा लेते हैं। उन्हें निजी प्रकाशकों की पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है, जो कि एनसीईआरटी की किताबों के मुकाबले में काफी महंगी होती हैं। इसे देखते हुए शिक्षा निदेशालय ने किसी खास विक्रेता से किताबें व वर्दी खरीदने के लिए बाध्य नहीं करने की व्यवस्था बीते साल से शुरू की थी। निदेशालय के नोटिस में आया है कि कुछ स्कूल इस व्यवस्था को लागू करने के लिए दिए गए आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसके बाद निदेशालय ने आगामी नए सत्र से पहले एक बार फिर स्कूलों को आदेश जारी किए हैं।

लूटपाट में किक वॉलीबाल के राष्ट्रीय खिलाड़ी समेत आठ पकड़े

नई दिल्ली। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि एक दोस्त का जन्मदिन था। इन लोगों के पास पार्टी के पैसे नहीं थे। इसलिए इन लोगों ने लूटपाट करने की योजना बनाई। लूटे गए सामान की रकम से पार्टी करने का प्लान था।

दोस्त की बथर्ड पार्टी मनाने के लिए नौ लड़कों के ग्रुप ने उत्तरी दिल्ली के तिमारपुर इलाके में एक साथ कई लोगों से लूटपाट की। पुलिस ने इन वारदातों की गुत्थी सुलझाते हुए किक वॉलीबाल के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी समेत आठ को दबोचा है। इनमें तीन नाबालिग लड़के भी शामिल हैं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान किक वॉलीबॉल खिलाड़ी आयुष, इसके दोस्त सौरभ, मनीष पाल, शिव प्रकाश और रोशन के रूप में हुई है। सभी लड़के वजीरपुर इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से वारदात में इस्तेमाल तीन बाइकों के अलावा तीन मोबाइल फोन व अन्य सामान भी बरामद किया है। पुलिस को मामले में एक अन्य आरोपी आर्यन की तलाश है। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त सागर सिंह कलसी ने बताया कि 11 मार्च की रात को तिमारपुर इलाके में कई लोगों के मोबाइल लूटे जाने की सूचना मिली थी। एक शिकायतकर्ता जिथिन चंद्रन ने बताया कि वह डीयू में ग्रेजुएशन का छात्र है। देर रात करीब 2.45 बजे वह अपनी दो महिला दोस्तों के साथ लखनऊ रोड पर यूलू ई-साइकिल पर घूम रहा था। इस बीच तीन बाइकों पर सवार होकर नौ लड़के वहां आए। इन लोगों ने उनके साथ बदसलूकी कर मोबाइल लूट लिया। इस बीच प्रदीप और राम अवतार भी शोर मचाते हुए वहां आए। इन लोगों ने बताया कि बाइक सवारों ने उनके भी मोबाइल लूट लिए हैं। भीड़ इकट्ठी होती देखकर आरोपी वहां से फरार हो गए।

दिल्ली-NCR में कल भी बारिश के आसार, मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट; जानें कब सुधरेगा

नई दिल्ली। दिल्ली और एनसीआर में सोमवार को भी हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने सोमवार को लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। दिल्ली में रविवार को हुई 3.7 एमएम बारिश से अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम दर्ज किया गया। हालांकि शनिवार से अधिकतम अधिक रहा।

प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली के अनुसार रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 28 डिग्री दर्ज किया जो सामान्य से तीन डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 15.4 डिग्री रहा जो सामान्य से एक डिग्री कम है।

दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे तक 2.9 एमएम बारिश दर्ज हुई। वहीं शाम को साढे पांच बजे तक 0.8 एमएम बारिश हुई। दिल्ली में सबसे ज्यादा बारिश आया नगर में दर्ज हुई। वहीं एनसीआर के गुरुग्राम में सुबह साढ़े आठ बजे तक 39.5 एमएम बारिश दर्ज हुई।

केंद्र के अनुसार सोमवार को सुबह के समय बादल छाए रहेंगे। दिन में हल्की बारिश हो सकती है। साथ ही 30 से 40 किमी की गति से तेज हवा चल सकती है।

मौसम विभाग ने कुछ जगहों पर ओलावृष्टि होने की भी संभावना जताई है जिससे तापमान में गिरावट हो सकता है। हालांकि मंगलवार से मौसम में कुछ सुधार हो सकता है। बुधवार को हल्की धूप निकलने की संभावना है। 24 मार्च को एक बार फिर से हल्की बारिश की संभावना जताई जा रही है।

रामलीला मैदान में महापंचायत आज: किसान आंदोलन-2 की घोषणा, कई मार्ग रहेंगे बंद; सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

नई दिल्ली। किसान हित और खेती को बचाने के लिए लंबित मांगों के समर्थन में संयुक्त किसान मोर्चा ने किसान आंदोलन-2 की घोषणा की है। इसके तहत रामलीला मैदान में सोमवार को किसानों की महापंचायत होगी। इसमें देश के राज्यों के किसान अपनी मांगों को केंद्र समक्ष रखते हुए समस्याओं के समाधान की मांग सरकार के समक्ष रखेंगे। किसान नेताओं ने केंद्र सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगे नहीं मानी गईं तो 2024 के चुनाव में सभी पार्टियों को किसानों के रोष का असर दिखेगा। साथ ही कहा कि किसानों को अगर महापंचायत में जाने से पुलिस ने रोका तो मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

प्रेस क्लब में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए एसकेएम के नेताओं ने केंद्र सरकार पपर कॉरपोरेट के साथ मिलकर विकास पर जोर देने की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे कृषि आय में कमी हो रही है जबकि कॉरपोरेट घराने अपने फायदे के लिए खेत, वन और प्राकृतिक संसाधनों को छीनने की तरफ अग्रसर है।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेता सोमवार को महापंचायत में किसान, आदिवासी किसान, महिला किसान, खेत मजदूर और प्रवासी मजदूर, ग्रामीण श्रमिक, बेरोजगारी और बढ़ते व्यय और कम हो रही क्रय शक्ति पर इन नीतियों के प्रभाव के बारे में विस्तार से अपनी बात रखेंगे। केंद्र सरकार से संयुक्त किसान मोर्चा को 9 दिसंबर, 2021 को दिए गए लिखित आश्वासनों को पूरा करने और किसानों के समक्ष बढ़ते संकट के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने की महापंचायत में किसान नेता मांग करेंगे।

नेताओं ने कहा-

. दर्शन पाल- केंद्र सरकार को याद दिलाएंगे कि एमएसपी के लिए एक कानून बनाएंगे, केंद्र सरकार को चुनौती देंगे। अजय मिश्रा टेनी को क्यों नहीं बर्खास्त किया गया। किसानों की अगर मांगें नहीं मानी गई तो 2023-24 में संयुक्त किसान मोर्चा मिशन कर्ज मुक्ति और मिशन एमसीपी, देश की तमाम राजनीतिक पार्टियों के लिए चुनौती होगी। किसानों के मुद्दे को मेनिफेस्टो में शामिल करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को महापंचायत में शामिल होने से पुलिस रोके नहीं।

. हन्नान मोला- किसानों को सी2 के साथ 50 फीसदी के बजाय ए2 के साथ 50 फीसदी देने की बात की जा रही है। सरकार अपने वादे को पूरा नहीं कर सकी, किसानो की मांगों में सात प्रमुख मांगे हैं। केंद्र सरकार से बातचीत और आश्वासन के बाद भी समाधान के लिए कोई पहल नहीं की गई।

. भारतीय किसान यूनियन के धर्मवीर सिंह ने कहा कि सरकार की तरफ से मांगों पर सुनवाई नहीं होने पर किसान आंदोलन पार्ट-2 की शुरुआत की गई। गन्ने की फसल पर पैसे मिलने में देरी, भूमि अधिग्रहण सहित किसानों के लिए समस्याएं हैं। सरकार को इनका समाधान ढूंढना चाहिए, अगर ऐसा नहीं होता है तो चुनाव में सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती है।

. सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर- महापंचायत में देश के सभी राज्यों के किसान पहुंचेंगे। संविधान बचाने के लिए देश भर से महिला किसान, आदिवासी सहित सभी वर्गों के किसान पहुंचेंगे, यह जनजागरण होगा।

. राजाराम ने एमएसपी पर किसानों के फसलों की खरीद की गारंटी और पीडीएस के जरिये सभी को भोजन उपलब्ध करवाना सरकार का दायित्व है। किसी को कॉरपोरेट घराने के हाथ में सौंपने से मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। इसपर रोक लगाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बच्चों के प्रिय मनीष अंकल भी 100 में से 100 नंबर लाकर पास होंगे।

केजरीवाल ने राजा हरिश्चंद्र से की सिसोदिया की तुलना, बोले- भगवान मनीष की परीक्षा ले रहे

सीएम ने कहा है कि सच्चाई के रास्ते पर चलने वाले राजा हरीशचंद्र की तरह सिसोदिया की भी भगवान परीक्षा ले रहे हैं। हम सभी जानते हैं कि जब कोई सच्चाई के रास्ते पर चलता है तो भगवान कभी न कभी, कहीं न कहीं उसकी परीक्षा जरूर लेते हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मनीष सिसोदिया की तुलना राजा हरीशचंद्र से की है। कहा है कि सच्चाई के रास्ते पर चलने वाले राजा हरीशचंद्र की तरह सिसोदिया की भी भगवान परीक्षा ले रहे हैं। हम सभी जानते हैं कि जब कोई सच्चाई के रास्ते पर चलता है तो भगवान कभी न कभी, कहीं न कहीं उसकी परीक्षा जरूर लेते हैं। ऐसे ही एक बार भगवान ने राजा हरीशचंद्र की परीक्षा ली थी। बच्चों के प्रिय मनीष अंकल भी 100 में से 100 नंबर लाकर पास होंगे। इस कार्यक्रम को लेकर भाजपा ने विरोध प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री ने रोहिणी में विश्वस्तरीय स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस स्कूल के उद्घाटन के मौके पर बच्चों के बीच कहा कि राजा हरीशचंद्र को सत्यवादी हरीशचंद्र कहा जाता था। वह कितने बड़े सत्यवादी हैं, यह पता करने के लिए एक बार भगवान ने उनकी परीक्षा ली थी। भगवान ने उनका सारा राजपाट छीन लिया था। इसके बाद उनके बेटे की मृत्यु हो गई थी और जब राजा की धर्मपत्नी अपने बेटे का अंतिम संस्कार करने के लिए श्मशान घाट पहुंची तो उनके पास बेटे की लाश को ढकने को कफन खरीदने के लिए भी पैसे नहीं थे। भगवान इसी तरह से सिसोदिया की भी परीक्षा ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बच्चों के प्रिय मनीष अंकल भी 100 में से 100 नंबर लाकर पास होंगे। बहुत जल्द वापस आपके साथ काम करेंगे। बच्चों से अपील की कि जब भगवान से अपने लिए प्रार्थना करें तब उनके स्वास्थ्य और उनके भले के लिए जरूर प्रार्थना कर ले। हमारे साथ दिल्ली में शिक्षा क्रांति लाने वाले सिसोदिया नहीं है। कुछ दिनों पहले कुछ बच्चे आए और कहने लगे कि मनीष अंकल की बहुत याद आ रही है। शिक्षकों ने भी कहा कि उन्हें बहुत याद करते हैं। बच्चों ने कहा कि उन्हें गलत केस में फंसाया गया है। सारी दुनिया जानती है उन्हें सब याद करते हैं।

मुख्यमंत्री ने बच्चों के बीच सिसोदिया का जेल से भेजा गया संदेश भी पढ़ा। कहा कि सिसोदिया ने संदेश में कहा है कि मैं जहां भी हूं, ठीक हूं। आप लोग मेरी चिंता मत करना, आप अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना। उन्हें जेल में भी बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य की चिंता है। अच्छे नंबर लाकर पास होना है और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना।

एनएच-9 पर एक अप्रैल से प्रतिबंधित होंगे ई-रिक्शा सड़क हादसों को ध्यान में रखते हुए लिया फैसला

परिवहन विशेष संवाददाता

राष्ट्रीय राजमार्ग 9 पर होने वाले सड़क हादसों को ध्यान में रखते हुए गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने 1 अप्रैल से एक्सप्रेसवे पर ई-रिक्शा के चलाने पर रोक लगा दी है। सभी 7 प्वाइंट्स पर एक अप्रैल से अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

गाजियाबाद। एनएच-9 पर होने वाले सड़क हादसों के चलते अब एक अप्रैल से ई-रिक्शा को एक्सप्रेस-वे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया जाएगा। यातायात पुलिस ने एनएच-9 पर ई-रिक्शा चढ़ने वाले 7 प्वाइंट चिह्नित कर लिए हैं। इन सभी प्वाइंट्स पर एक अप्रैल से अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। एक्सप्रेस वे पर चढ़ने वाले ई-रिक्शा चालकों को पूरी तरह से रोका जाएगा। यदि इसके बाद भी एनएच-9 पर ई-रिक्शा चलते हुए पाए गए तो इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पिछले दिनों ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने जाम लगने के कारणों के बारे में जानकारी की थी। जिसका सबसे बड़ा कारण ई-रिक्शा निकल सामने आया था। ई-रिक्शा की वजह से हादसे की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं।

हादसे और जाम को रोकने के लिए लिया फैसला

गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि एनएच-9 पर यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए ये फैसला लिया गया है। यह कदम आम लोगों की सुरक्षा हेतु उठाया गया है, ताकि हादसों पर रोक लगाई जा सके। सुरक्षा और हादसों की रोकथाम हेतु मोटर यान नियमावली-1998 के अन्तर्गत ई-रिक्शा का संचालन NH-9 पर दिनांक एक अप्रैल से पूरी तरह से ई-रिक्शा प्रतिबंधित रहेंगे।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे से सटा हुआ है एनएच-9

एनएच-9 गाजियाबाद में डासना से यूपी गेट होते हुए अक्षरधाम मंदिर दिल्ली से आगे तक जाता है। यह सुबह से लेकर शाम व्यस्त रहता है और जाम की स्थिति रहती है। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे और सर्विस लेन के बीच वाली दोनों तरफ की तीन-तीन लेन NH-9 हैं।

इनसाइड

सरेराह सड़क पर गुंडई, युवक को जमीन पर गिराकर पीटा

सूरजपुर-दादरी मेन रोड पर चार युवकों ने जमकर गुंडई। रोडरेज में चार युवकों ने मिलकर एक को पीटा। उसको जमीन पर गिराकर लात घूंसो से पीटा गया। पत्थर मारा गया। गुंडई का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है।

नोएडा। सूरजपुर-दादरी मेन रोड पर चार युवकों ने जमकर गुंडई। रोडरेज में चार युवकों ने मिलकर एक को पीटा। उसको जमीन पर गिराकर लात घूंसो से पीटा गया। पत्थर मारा गया। गुंडई का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है।

सूरजपुर दादरी रोड पर दो बाइक आपस में टकराई। रोडरेज में बाइक सवार युवकों ने सड़क पर जमकर की गुंडई। दोनों पक्षों के बीच हुई हाथापाई। पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद दुकानदारों से संपर्क कर युवकों की पहचान करने की कोशिश शुरू कर दी है। पुलिस का दावा है जल्द ही युवकों की पहचान कर ली जाएगी। सूरजपुर कस्बे की मार्केट में दादरी की तरफ जाने वाली मेन रोड पर रविवार शाम पांच बजे के करीब दो बाइक आपस में टकरा गई। एक पक्ष के चार युवकों ने मिलकर दूसरे पक्ष के युवक को पीटना शुरू कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच बचाव करने के बजाय वीडियो बनाना उचित समझा। दस सेकेंड के वीडियो में चार युवक मिलकर एक युवक को जमीन पर गिराकर पीट रहे है। मारपीट होने के बाद पीड़ित व आरोपित दोनों पक्ष मौके से चला गया।

गुलमोहर ग्रीन सोसाइटी में लिफ्ट में लगी आग

साहिबाबाद के मोहन नगर की गुलमोहर ग्रीन सोसाइटी की लिफ्ट में आज रविवार सुबह अचानक आग लग गई। गनीमत यह रही कि आग लगने के दौरान लिफ्ट में कोई मौजूद नहीं था। इसलिए आग से कोई हताहत नहीं हुआ है।

गाजियाबाद। साहिबाबाद के मोहन नगर की गुलमोहर ग्रीन सोसाइटी की लिफ्ट में आज रविवार सुबह अचानक आग लग गई। गनीमत यह रही कि आग लगने के दौरान लिफ्ट में कोई मौजूद नहीं था।

सुरक्षा गार्डों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। वहीं, सूचना पर पहुंचे अग्निशमन कर्मियों ने कुछ देर की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग से कोई हताहत नहीं हुआ है। अबतक आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है।

ठगी के तीन बड़े मामले, जालसाजों के निशाने पर व्यापारी

गाजियाबाद में व्यापारियों से तीन अलग-अलग ठगी की घटना सामने आई है। ठगी की घटना में अलग-अलग व्यापारियों को जालशाजों ने करीब 90 लाख रुपये का चूना लगाया है। ठगी के तीनों मामले में रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है।

गाजियाबाद। गाजियाबाद में व्यापारियों से तीन अलग-अलग ठगी की घटना सामने आई है। ठगी की घटना में अलग-अलग व्यापारियों को जालशाजों ने करीब 86 लाख रुपये से अधिक का चूना लगाया है। ठगी के तीनों मामले में रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। मेरठ के बागपत रोड के रहने वाले सिद्धांत जैन का गाजियाबाद के लोहामंडी में कारोबार है।

उनके एक दोस्त पवन त्यागी ने प्रस्ताव रखा कि मुंबई में आरबीटी मैटालिक्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से मंजू त्यागी व राघव त्यागी की कील बनाने की फैक्ट्री है। आर्थिक तंगी के कारण यह फैक्ट्री बंद पड़ी है, यदि इसमें कुछ पैसा लगा दिया जाए तो इसे शुरू किया जा सकता है।

13 लाख रुपये लेकर बनाया पार्टनर

इस पर सिद्धांत से 13 लाख रुपये लेकर उन्हें पार्टनर व डायरेक्टर बना लिया गया और फैक्ट्री की मशीनरी लोहा मंडी में शिफ्ट कर इसे शुरू कर दिया गया। कुछ समय तक सिद्धांत फैक्ट्री नहीं जा सके। बाद में फैक्ट्री पहुंचे तो वहां मशीनरी व अन्य सामान गायब था और फैक्ट्री खाली थी। जानकारी करने पर पता चला कि आरोपितों ने फर्जी हस्ताक्षर व दस्तावेज तैयार कर उनका इस्तीफा लगाकर पार्टनर व डायरेक्टर के पद से हटा दिया है और फैक्ट्री को दूसरी जगह लगा लिया है।

मशीन खरीद के नाम पर ठगे 50 लाख रुपये

इसके अलावा एक और ठगी के मामला कवि नगर थाना क्षेत्र के लोहा मंडी से ही जुड़ा है। पीड़ित हरिओम गोयल की लोहा मंडी में अजनेय इंटरप्राइजेज के नाम से फर्म है। उनका कहना है कि उन्होंने अहमदाबाद

लगाया 86 लाख का चूना

ताल्लुका कढ़ी की भैरव रोलिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के जुगल से 50 लाख रुपये का भुगतान कर पुरानी मशीन खरीदी थी। मई 2022 उन्होंने पैसे का भुगतान कर दिया था।

एक माह में मशीन डिलीवरी कराने का वादा किया गया था। इसके बाद भी जुगल ने मशीन नहीं भेजी। आरोप है कि जुगल ने उनकी फर्म के नाम से माल डिलीवरी का बिल बना लिया और एक ट्रक नंबर के माध्यम से माल डिस्पैच कराना दिखाया। जांच की गई तो उस नंबर का ट्रक ही नहीं मिला। उन्होंने जुगल से पैसे वापस मांगे तो उसने जान से मारने की धमकी दी।

बता दें कि गाजियाबाद के कवि नगर थाना क्षेत्र के गोविंदपुरम में एक आरोपित ने कारोबारी से कारोबार के नाम पर 26.36 लाख रुपये हड़प लिए। गोविंदपुरम के रहने वाले संजीव गर्ग की मेरठ रोड औद्योगिक क्षेत्र में डीकेवाइ सेल्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से कंपनी है। उनका कहना है कि कंपनी के साथ सूरजपुर गौतमबुद्धनगर के जगतरन दानसिंह एंड कंपनी के मालिक राजेंद्र, जतिंद्र व देवेंद्र का भी कारोबार था।

कारोबार के नाम पर हड़पे रुपये

वर्ष 2022 में तीनों लोग उनके पास हिसाब-किताब के लिए आए तो उनपर 23.86 लाख रुपये बकाया निकले। आरोप है कि तीनों ने फर्जी तरीके से कंपनी के दस्तावेजों पर जीएसटी प्राप्त कर ली और उनके साथ धोखाधड़ी की। कुछ दिन बाद आरोपितों ने उन्हें हिसाब करने के लिए फैक्ट्री पर बुलाया। वह वहां पहुंचे तो आरोपितों ने अपने साथी राजेश मदान व अन्य ने उनके सा गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि आरोपित पूर्व में ही अपनी कंपनी बेच चुके हैं और मौके पर उनकी कोई कंपनी नहीं थी। ठगी के तीनों मामलों गाजियाबाद के कवि नगर थाना में केस दर्ज कर लिया गया है। वहीं एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि मामले में रिपोर्ट दर्ज करने के बाद आगे की जांच की जा रही है।

बाइक सवार को बचाने में अनियंत्रित कार डिवाइडर पर चढ़ी, बाल-बाल बचे चार लोग

लिंक रोड पर जैन मार्बल के सामने शनिवार रात करीब सवा नौ बजे बाइक सवार को बचाने के दौरान अनियंत्रित होकर कार रेलिंग को तोड़ती हुई डिवाइडर पर चढ़ गई। कार सवार चार लोग बाल बाल बच गए।

गाजियाबाद। लिंक रोड पर जैन मार्बल के सामने शनिवार रात करीब सवा नौ बजे बाइक सवार को बचाने के दौरान अनियंत्रित होकर कार रेलिंग को तोड़ती हुई डिवाइडर पर चढ़ गई। कार सवार चार लोग बाल-बाल बच गए। हादसे के बाद सड़क के दोनों ओर जाम लग गया। शनिवार रात करीब सवा नौ बजे लिंक रोड पर जैन मार्बल के सामने एक पोलो कार अनियंत्रित होकर रेलिंग को तोड़ते हुए डिवाइडर पर चढ़ गई। कार में 4 लोग सवार थे जो बाल बाल बच गए। कार चला रहे युवक आदित्य ने बताया कि वह आनंद विहार मेट्रो स्टेशन से बहन को लेकर मोदीनगर अपने घर जा रहा था। लिंक रोड पर मेन लाइन में चल रहा था। तभी अचानक बीच में चल रहे बाइक सवार ने उनकी कार की तरफ मोड़ दिया। बाइक सवार को बचाने के दौरान कार अनियंत्रित होकर रेलिंग को तोड़ती हुई डिवाइडर पर चढ़ गई। मौके से बाइक सवार भाग गया।हादसे में किसी को चोट नहीं लगी है। कार क्षतिग्रस्त हो गई है। वहीं, हादसे के बाद लिंक रोड पर दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। सूचना पर लिंक रोड थाने की औद्योगिक क्षेत्र पुलिस चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची।क्रेन की मदद से को हटवाया। इसके बाद यातायात सामान्य हो सका। पुलिस आयुक्त साहिबाबाद भास्कर वर्मा ने बताया कि हादसे में कोई घायल नहीं है। पीड़ित की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है।

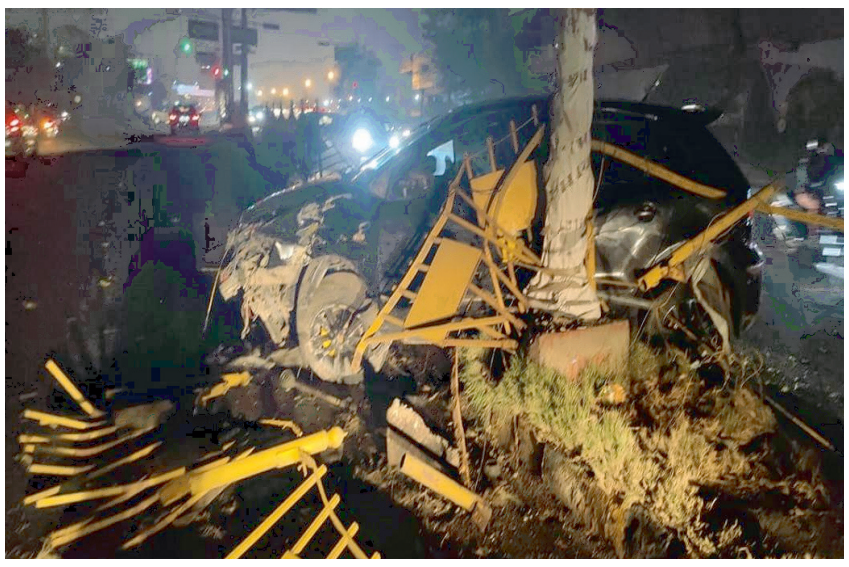

नोएडा में मानव अंग मिलने के मामले में अब जुड़ा दिल्ली कनेक्शन, पोस्टमार्टम के दौरान होगी वीडियोग्राफी

बीते बृहस्पतिवार को फेज वन कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर आठ स्थित फर्नीचर फैक्ट्री के बाहर नाले में मानव अंग मिला था। स्थानीय लोगों के मुताबिक पालिथिन में मानव अंग में दो पैर एक हाथ के अलावा कुछ लोथड़े भी थे।

नोएडा। शहर में मानव अंग मिलने के मामले में ट्रांस जेंडर के एंगल से भी जांच प्रारंभ होने के बाद अब इसमें दिल्ली कनेक्शन भी जुड़ गया है। शनिवार को दिल्ली के सराय काले खां में रैपिड मेट्रो कंस्ट्रक्शन साइट के पास शव के टुकड़े मिले हैं। स्थानीय पुलिस और फोरेंसिक टीम इस बात की जानकारी कर रही है अंग महिला का है यहा पुरुष का। बीते दिनों नोएडा में मिले मानव अंग को भी इससे जोड़कर देखा जा रहा है। बीते बृहस्पतिवार को फेज वन कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर आठ स्थित फर्नीचर फैक्ट्री के बाहर नाले में मानव अंग मिला था। स्थानीय लोगों के मुताबिक पालिथिन में मानव अंग में दो पैर, एक हाथ के अलावा कुछ लोथड़े भी थे। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में शनिवार को पालिथिन में महिला के शव टुकड़े मिलने की सूचना मिलते ही नोएडा से एक टीम घटनास्थल पहुंच गई। दोनों में घटनाक्रम काफी मिलता-जुलता है। इस मामले को लेकर नोएडा पुलिस दिल्ली पुलिस के संपर्क में हैं। दोनों जगह के अधिकारी भी हर अपडेट एक दूसरे से साझा कर रहे हैं। इस बात की भी आशंका जताई जा रही है कि नोएडा में मानव अंग के जो टुकड़े मिले थे ,कहीं उसका कोई कनेक्शन दिल्ली में मिले मानव अंग से तो नहीं है। नोएडा पुलिस इस बात की जानकारी कर रही है कि दिल्ली में मिले मानव अंग में शरीर के कौन-कौन से टुकड़े हैं। एडिशनल डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि दिल्ली में मानव अंग मिलने की सूचना मिलते ही नोएडा पुलिस की एक टीम घटनास्थल के लिए रवाना हो गई। इसके अलावा शनिवार को सेक्टर आठ स्थित नाले के पास एक किलोमीटर के अंदर लगे उन सात सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को भी खंगाला गया जो प्रारंभिक चरण में छूट गए थे। अभी तक कोई भी ठोस सबूत पुलिस के हाथ नहीं लगा है।

पोस्टमार्टम के दौरान होगी वीडियोग्राफी

एडिशनल डीसीपी ने बताया कि मानव अंग के पोस्टमार्टम के बाद उसका डीएनए टेस्ट कराने की भी तैयारी चल रही है। पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। डीएनए टेस्ट भविष्य में होगा, इसके लिए अंग का कुछ हिस्सा सुरक्षित रखा जाएगा। मामले को लेकर पुलिस की टीम हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है। नोएडा के हर कोतवाली क्षेत्र में बीते दिनों महिलाओं की कितनी गुमशुदगी दर्ज हुई, पुलिस ने यह जानकारी सभी कोतवाली प्रभारी से मांगी है। दर्ज हुई गुमशुदगी के मामले में शिकायतकर्ता से भी संपर्क किया जा रहा है। इस बात की जानकारी की जा रही है जितनी गुमशुदगी दर्ज हुई है, उसमें से कितनी महिलाएं अभी भी लापता हैं।

कुत्ते को बाइक में बांधकर दूर तक घसीटा, सिर पर ईंट मारकर किया था बेहोश; आरोपित गिरफ्तार

सोशल मीडिया पर एक कुत्ते को बाइक से बांधकर घसीटने का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद आरोपित की पहचान गिरफ्तार कर लिया गया है। व्यक्ति ने कुत्ते के सिर पर ईंट से वार करके घायल कर दिया था।

गाजियाबाद। विजय नगर थाना क्षेत्र में मोपेड में एक कुत्ते को बांधकर घसीट रहे आरोपित को स्थानीय लोगों ने रोक लिया और वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि रविवार को विजयनगर थाना क्षेत्र की चरन सिंह कालोनी में रहने वाला इस्माइल नाम के एक व्यक्ति ने एक आवारा कुत्ते के पैर बांधकर उसे अपनी मोपेड से डीएवी चौराहे से घसीटकर ले जा रहा था। स्थानीय लोगों ने उसे लीलावती चौराहे पर रोक लिया। इसके बाद लोगों ने कुत्ते को मुक्त कराया। लोगों ने जब आरोपित से पूछा कि कुत्ते क्यों घसीट रहे तो उसने बताया कि यह पागल हो गया और यह लोगों को काट रहा है।

पहले कुत्ते को बेरहमी से पीटा

इसलिए इसे आबादी से दूर छोड़ने के लिए जा रहा हूं। इस दौरान वहां लोगों की भीड़ जुट गई और पीपल्स फॉर एनिमल गाजियाबाद की अध्यक्ष सुरभि रावत भी मौके पर पहुंच गईं। उन्होंने बताया कि आरोपित ने पहले कुत्ते को बेरहमी से पीटा और उसके बाद अपनी मोपेड से घसीटा। उन्होंने बताया कि मौके पर जब वह पहुंची तो कुत्ता बेहोश था। उसकी हालत गंभीर थी। उन्होंने विजयनगर चौकी में फोन करके पुलिस को बुलाया और आरोपित को उनके सुपुर्द कर दिया।

एक किलोमीटर तक घसीटा कुत्ते को

सुरभि रावत ने बताया कि आरोपित ने कुत्ते को करीब एक किलोमीटर तक अपनी मोपेड से घसीटा। इससे उसे काफी चोटें आईं हैं। उसकी हालत गंभीर है। घायल कुत्ते का इलाज रमतेराम रोड स्थित सरकारी पशु अस्पताल में कराया गया है। फिलहाल इस कुत्ते को शेल्टर होम में रखा जाएगा, ताकि उसकी उचित देखभाल की जा सके।

एसीपी कोतवाली अंशु जैन ने कहा कि इंटरनेट मीडिया के माध्यम से एक वीडियो मिला, जिसमें एक व्यक्ति द्वारा एक कुत्ते को मोपेड के पीछे बांधकर घसीटते हुए ले जाया जा रहा है। वीडियो की जांच की तो मामला थाना विजयनगर क्षेत्र से संबंधित था। आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इनसाइड

हीरो स्पलेंडर प्लस के मुकाबले कितनी दमदार है होंडा शाइन 100, कौन किस मामले में बेहतर

भारतीय बाजार में हीरो और होंडा दोनों कंपनियों की बाइक्स अधिक सेल होती है। हाल के दिनों में लॉन्च की गई होंडा शाइन 100 का मुकाबला स्प्लेंडर प्लस से है। आज हम आपके लिए Honda Shine 100 vs Hero Splendor Plus की तुलना लेकर आए हैं।

नई दिल्ली। हीरो और होंडा दोनों ही कंपनियां भारतीय बाजार में आज से ही नहीं कई सालों से राज करते आ रही है। ये तो आपने भी खुद अनुभव किया होगा कि भारतीय सड़कों पर अधिकतर हीरो और होंडा की बाइक्स दिखाई देती है। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने शाइन 100 के लॉन्च के साथ 100 सीसी मोटरसाइकिल कैटेगरी में कदम रखा है। नई 2023 होंडा शाइन 100 को भारतीय बाजार में 64,900 रुपये एक्स-शोरूम में लॉन्च किया गया है और इसका मुकाबला स्प्लेंडर प्लस से है। आज हम आपके लिए एंट्री-लेवल 100cc कम्यूटर मोटरसाइकिल की तुलना लेकर आए हैं।

Honda Shine 100 vs Hero Splendor Plus डिजाइन और कलर

डिजाइन के मामले में, इन दोनों मोटरसाइकिल का लुक ही लोगों को अधिक पसंद आता है। वाहन निर्माता कंपनी ने होंडा शाइन 100 को पांच कलर ऑप्शन में पेश किया है, जबकि स्प्लेंडर प्लस बारह पेंट कलर ऑप्शन में ही आती है।

Honda Shine 100 vs Hero Splendor Plus इंजन और गियरबॉक्स

Honda Shine 100 में 99.7cc, सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड, फ्यूल-इंजेक्टेड इंजन है जो 7.6 bhp और 8.05 Nm का टार्क जनरेट करती है। दूसरी ओर, हीरो स्प्लेंडर प्लस में 97.2cc, सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड, फ्यूल-इंजेक्टेड मोटर मिलता है जो 7.9 bhp और 8.05 Nm का पीक टॉर्क जनरेट करती है। ये दोनों मोटरसाइकिलें 4-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से जुड़ी हैं। इसके अलावा ये 60-70 kmpl का माइलेज देती है। नई होंडा शाइन 100 के साथ-साथ हीरो स्प्लेंडर प्लस स्पोर्ट टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और रियर में डुअल स्प्रिंग-लोडेड शॉक एब्जॉर्बर के साथ आती है। दोनों में ब्रेकिंग सिस्टम के साथ दोनों ओर ड्रम ब्रेक द्वारा ब्रेकिंग ड्यूटी है।

Volkswagen 2025 तक लॉन्च कर सकती है अपनी हैचबैक इलेक्ट्रिक कार, एंट्री लेवल से ईवी में प्रवेश करेगी कंपनी

यह कई फॉक्सवैगन आर-बैज वाली इलेक्ट्रिक कारों में से एक होगी जिसे ऑटोमेकर वर्तमान में डेवलप कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि जर्मन कार ब्रांड ने पहले पुष्टि की थी कि हर नया आर प्रोडक्ट 2030 तक पूरी तरह से इलेक्ट्रिक होगा।

फॉक्सवैगन इस समय इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में काफी तेजी से काम कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कंपनी आने वाले समय में एंट्री लेवल ईवी (ID.2.) कोडनेम को डेवलप करने की तैयारी कर रही है। ब्रिटिश ऑटोमोटिव प्रकाशन Autocar UK का दावा है कि EV एक हैचबैक अवतार में आएगी, जबकि एक कॉम्पैक्ट क्रॉसओवर भी होगी। अधिक दिलचस्प बात यह है कि EV AWD से लैस एक R-बैज प्रदर्शन-केंद्रित संस्करण के साथ आएगा, जो 300 हॉर्स पॉवर जेनरेट करने में सक्षम होगा।

जानिए इसपर क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फॉक्सवैगन ID.2 2025 की दूसरी छमाही में आएगी, और इसका आर-बैज संस्करण Abarth 500e जैसे गाड़ियों को सीधा चैलेंज करेगी। यह कई फॉक्सवैगन आर-बैज वाली इलेक्ट्रिक कारों में से एक होगी, जिसे ऑटोमेकर वर्तमान में डेवलप कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि जर्मन कार ब्रांड ने पहले पुष्टि की थी कि हर नया आर प्रोडक्ट 2030 तक पूरी तरह से इलेक्ट्रिक होगा। यह इलेक्ट्रिक कार कब लॉन्च होगी, क्या कुछ इसमें खास मिलने वाला है? लुक और डिजाइन में कैसी होगी इन तमाम सवालों का जवाब तभी मिल पाएगा, जब कंपनी खुद से रिवील करेगी। हालांकि, भारत में ये इलेक्ट्रिक कार आएगी या नहीं इसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

ईवी की तेजी से बढ़ रही बिक्री

2022 की चौथी तिमाही में फॉक्सवैगन ने वैश्विक स्तर पर 118,000 ईवी बेचे, जर्मन ब्रांड के लिए एक नया रिकॉर्ड दर्ज किया। कुल मिलाकर, 2022 में 300,000 से अधिक फॉक्सवैगन ईवी का उत्पादन किया गया था।

हीरो जल्द शुरू कर सकता इलेक्ट्रिक बाइक पर काम, अमेरिका की इस बड़ी कंपनी से मिलाया हाथ

दोपहिया प्रमुख हीरो मोटोकॉर्प ने सोमवार को कहा कि उसने प्रीमियम इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को डेवलप करने के लिए अमेरिका स्थित जीरो मोटरसाइकिल के साथ एक समझौता किया है। कंपनी जल्द ही इलेक्ट्रिक सेगमेंट में आने को तैयार है।

देश में इस समय इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल की डिमांड होना शुरू हो गया है। हालांकि, अभी इस सेगमेंट में कई स्टॉर्टअप्स कंपनियां अपना लक आजमा रही हैं। अब हीरो भी अपने इलेक्ट्रिक सेगमेंट में एंट्री मारने की तैयारी कर रही है। अपने इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए कंपनी ने अमेरिका के एक प्रसिद्ध कंपनी के साथ हाथ मिलाया है।

हीरो ने किया करार

दोपहिया प्रमुख हीरो मोटोकॉर्प ने सोमवार को कहा कि उसने प्रीमियम इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को डेवलप करने के लिए अमेरिका स्थित जीरो मोटरसाइकिल के साथ एक समझौता किया है। देश की सबसे बड़ी दोपहिया निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के मैन्यूफैक्चरिंग, सोर्सिंग और मार्केटिंग के पैमाने के साथ पावर ट्रेन और इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल डेवलप करने में जीरो के साथ समझौता किया है। सितंबर 2022 में, हीरो मोटोकॉर्प के बोर्ड ने कैलिफोर्निया स्थित जीरो मोटरसाइकिल में 60 मिलियन अमरीकी डालर तक के इक्विटी निवेश को मंजूरी दी, जो इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल और पावरट्रेन में बड़ा प्लेयर है।

Hero Vida की खासियत

नया हीरो वीडा वी 1 दो वेरिएंट प्लस और प्रो में उपलब्ध है। इसमें कई राइड़िग मोड इको, राइड, स्पोर्ट है। प्लस और प्रो वेरिएंट के लिए 0-40 किमी प्रति घंटे का समय लगता है वहीं क्रमशः 3.4 सेकंड और 3.2 सेकंड है। दोनों में ली- आयन बैटरी का इस्तेमाल किया गया है। प्रो वेरिएंट 3.94 kWh बैटरी पैक के साथ आता है जबकि प्लस वर्जन में 3.44 kWh बैटरी पैक मिलता है। वहीं बड़े बैटरी पैक के साथ, प्रो वेरिएंट को 165km की IDC प्रमाणित रेंज मिलती है। दूसरी ओर , प्लस वेरिएंट को 143 किमी की प्रमाणित सीमा मिलती है। फास्ट चार्जिंग स्पीड 1.2 किमी प्रति मिनट है।

इंडियन मार्केट में कारों की तुलना में टू-व्हीलर्स क्यों फेमस? असल वजहों के बारे में समझें

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत एक ऐसा देश है जहां बेचे गए कुल वाहनों की अधिकांश बिक्री पैसेंजर वाहनों द्वारा कवर की जाती है और उनमें से एक बड़ा हिस्सा दोपहिया वाहनों का हैं। कारों की तुलना में टू-व्हीलर्स को लोग अधिक महत्व देते हैं।

नई दिल्ली। भारत में इस समय कारों की बिक्री में इजाफा देखने को मिला है। आप खुद ही आप पास के घरों में खड़ी कारों को देखकर अंदाजा लगा सकते हैं। हालांकि, जिनके भी घर कार होगी उनके घर दोपहिया वाहन जरूर देखने को मिलेगा। इस खबर में आपको बताने जा रहे हैं उन 3 वजहों के बारे में जहां आपको यह पता चलेगा कि कारों की तुलना में टू-व्हीलर्स इंडियन मार्केट में क्यों फेमस हैं

बेहतरीन माइलेज

कारों की तुलना में मोटरसाइकिल की माइलेज भी अधिक होती है। अगर कार औसतन 25 की माइलेज देती है तो टू-व्हीलर भी 60-70 तक की औसतन माइलेज देने में सक्षम है। यही वजह है कि भारत में अधिकतर लोग चार पहिया की तुलना में दोपहिया वाहन खरीदना अधिक पसंद करते हैं। इस समय एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस आने वाली मोटरसाइकिलों जिसमें अधिक सीसी का इंजन लगा हुआ होता है उसकी औसतन माइलेज 20-30 Kmpl होती है।

प्रदूषण

पर्यावरण के नजरिए से भी दोपहिया वाहन चार पहिया वाहन की तुलना में बेहतरीन होते हैं, क्योंकि चार पहिया वाहन अधिक ईंधन खाते हैं और उससे अधिक पॉल्यूशन भी निकलता है, वहीं दोपहिया वाहन हैं बहुत कम ईंधन खर्च होने के कारण उससे होने वाली पॉल्यूशन की मात्रा कम होती है। इसलिए, पर्यावरण के लिहाज से टू-व्हीलर बेस्ट होती हैं।

किफायती दाम

दोपहिया वाहन कार की तुलना में बेहद सस्ते होते हैं। जिस वजह से एक मध्यम वर्गीय परिवार और निचला मध्यम वर्गीय परिवार भी इसे खरीद पाता है। भारत के बाज़ार में लगभग 40,000 रुपए की शुरुआती क़ीमत से दोपहिया वाहनों की बिक्री शुरू हो जाती है। इसके अलावा, इन वाहनों के लिए बीमा बहुत कम लागत पर आता है। दोपहिया वाहनों की सबसे ख़ास बात यह होती है कि इनकी री सेल क़ीमत भी बहुत अधिक होती है। साथ ही इनका माईलेज भी कार की तुलना में कहीं बेहतर होता है।

इस मौसम में सबसे अधिक परेशान करती है कार के अंदर की धुंध, इन उपायों से मिलेगा चुटकियों में समाधान

आपके ड्राइविंग अनुभव को धुंधली स्क्रीन काफी हद तक खराब कर देती है। इससे गाड़ी चलाते समय सामने देखना काफी मुश्किल हो जाता है। धुंध सिर्फ बाहर ही नहीं आपके कार के अंदर भी परेशान करती है। इसके लिए आपको इन चुनिंदा बातों का ख्याल रखना चहिए।

नई दिल्ली। इस समय ठंड काफी तेजी से बढ़ रही है ।सुबह के समय कोहरा काफी अधिक हो रहा है, जिससे गाड़ी चलाते समय सामने देखना काफी मुश्किल हो जाता है। लेकिन ये परेशानी कार के अंदर भी होती है। अगर आपके कार के अंदर भी ठंड के मौसम में धुंध भर जाती है तो आज हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं जिससे आपकी परेशानी हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। आपके ड्राइविंग अनुभव को धुंधली स्क्रीन काफी हद तक खराब कर देती है। सबसे अधिक दिक्कत इस समय होती है। कोहरे के कारण आप कार के बाहर का देख नहीं सकते हैं। धुंध सिर्फ बाहर ही नहीं आपके कार के अंदर भी परेशान करती है। इसके लिए आपको इन चुनिंदा बातों का ख्याल रखना चहिए।

डिफॉग बटन का इस्तेमाल करें

अगर आप इस बात से अनजान हैं तो अपनी कार के अंदर आप विंडशील्ड को डिफॉग करने के लिए गाड़ी के अंदर दिए गए डिफॉग बटन का इस्तेमाल करें। ये बटन आपके कार के अंदर आता है। इसको दबाने के बाद हवा सीधे विंडशील्ड तक पहुंच जाती है।

एसी को ऑन करें

कार में जैसे ही बैठते हैं तो थोड़ी देर बाद फॉग महसूस होने लगता है, जिसके कारण आप बाहर का देख नहीं सकते और आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपको बता दें कि इसके लिए आप कार में एसी को ऑन कर सकते हैं। इसके बाद लिंट-फ्री कपड़े से स्क्रीन को पोछ लेना चाहिए, ताकि आपको दिखाई देने लगे। इसके कारण कार के अंदर की धुंध भी गायब हो जाती है।

खिड़की को नीचे करें

कार के अंदर से धुंध को बाहर करने के लिए खिड़की को नीचे करना एक अच्छा ऑप्शन है। इससे बाहर की हवा अचानक आपकी कार के अंदरुनी हिस्सो को भर देती है, इसके कारण ही अंदर का तापमान बाहर के तापमान की तरह हो जाता है।

समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में अहम भूमिका निभाता रहा है RSS

प्रह्लाद सबनानी

समाज और राष्ट्र को प्रथम मानने वाले संघ में व्यक्ति गौण होता है। संघ ने कभी अपना प्रचार नहीं किया और संघ के प्रचारकों या स्वयंसेवकों ने जो दायित्व प्राप्त किए वे भी प्रचार से दूर रहे, संघ का और स्वयंसेवकों का कार्य उनकी लग्न और त्याग देश के सामने है।

भारत में पिछले 97 वर्षों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश के नागरिकों में देशप्रेम की भावना का संचार करने का लगातार प्रयास कर रहा है। वर्ष 1925 (27 सितम्बर) में विजयादशमी के दिन संघ के कार्य की शुरुआत ही इस कल्पना के साथ हुई थी कि देश के नागरिक स्वाभिमानी, संस्कारित, चरित्रवान, शक्तिसंपन्न, विशुद्ध देशभक्ति से ओत-प्रोत और व्यक्तिगत अहंकार से मुक्त होने चाहिए। आज संघ, एक विराट रूप धारण करते हुए, विश्व में सबसे बड़ा स्वयं सेवी संगठन बन गया है। संघ के शून्य से इस स्तर तक पहुंचने के पीछे इसके द्वारा अपनाई गई विशेषताएं यथा परिवार परंपरा, कर्तव्य पालन, त्याग, सभी के कल्याण विकास की कामना व सामूहिक पहचान आदि विशेष रूप से जिम्मेदार हैं।

संघ के स्वयंसेवकों के स्वभाव में परिवार के हित में अपने हित का सहज त्याग तथा परिवार के लिये अधिकाधिक देने का स्वभाव व परस्पर आत्मीयता और आपस में विश्वास की भावना आदि मुख्य आधार रहता है। "वसुधैव कुटुंबकम" की मूल भावना के साथ ही संघ के स्वयंसेवक अपने काम में आगे बढ़ते हैं। वैश्विक स्तर पर कई देशों में तो संघ की कार्य पद्धति पर कई शोध कार्य किए जा रहे हैं कि किस प्रकार यह संगठन अपने 97 वर्षों के लम्बे कार्यकाल में फलता फूलता रहा है एवं किस प्रकार यह समाज के समस्त वर्गों को अपने साथ लेते हुए अपने कई कार्यकर्मों को लागू करने में सफलता अर्जित करता आया है। आज जब कई देशों में अलगाववाद के बीज बोकर भाई को भाई से लड़ाया जा रहा है ऐसे माहौल में संघ भारत के नागरिकों में राष्ट्रीयता की भावना विकसित कर उनमें सामाजिक समरसता के भाव को जगाने में सफल रहा है।

मुट्ठीभर विदेशी आक्रांताओं ने भारत पर कई सैंकड़ों वर्षों तक राज किया क्योंकि हम सब एक नहीं थे। इसलिए संघ की स्थापना का मुख्य उद्देश्य ही देश के लिए समाज को एकजुट करना था, है और रहेगा, जिसे पूर्ण करने हेतु ही परम पूजनीय डॉक्टर हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी और आपने एकशः संपत का मंत्र दिया था कि उच्च जाति के हों या निम्न जाति के, पहले अपना अहंकार छोड़कर और दूसरे अपनी लाचारी या हीनता छोड़कर तथा अमीर हों या गरीब, विद्वान हों या अज्ञानी सब एक पंक्ति में खड़े हों, यही संघ का मुख्य उद्देश्य भी है।

समाज और राष्ट्र को प्रथम मानने वाले संघ में व्यक्ति गौण होता है। संघ ने कभी अपना प्रचार नहीं किया और संघ के प्रचारकों या स्वयंसेवकों ने जो दायित्व प्राप्त किए वे भी प्रचार से दूर रहे, संघ का और स्वयंसेवकों का कार्य उनकी लग्न और त्याग देश के सामने है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस लम्बी यात्रा में वैश्विक स्वीकार्यता प्राप्त कर चुका है। व्यक्ति निर्माण, त्याग और राष्ट्रभक्ति के संस्कार से ओतप्रोत संघ कार्य आज दुनिया के सम्मुख है। आपदा में अद्वितीय सेवाकार्य और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्धता के संघ के गुणों को विरोधी भी स्वीकारते हैं।

संघ की योजना प्रत्येक गांव में, प्रत्येक गली में अच्छे स्वयंसेवक खड़े करने की है। अच्छे स्वयंसेवक का मतलब है जिसका अपना चरित्र विश्वासप्रद है, शुद्ध है। जो सम्पूर्ण समाज को, देश को अपना मान कर काम करता है। किसी को भेदभाव से शत्रुता के भाव से नहीं देखता और इसके कारण जिसने समाज का स्नेह और विश्वास अर्जित किया है। संघ सम्पूर्ण हिन्दू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से आगे बढ़ रहा है। संघ की कार्यपद्धति में पंथ - उप पंथ, जातीय मतभेद आदि बातें उपस्थित हो ही नहीं सकतीं क्योंकि संघ सम्पूर्ण हिन्दू समाज में एकता लाने की दृष्टि से कार्य करता है। संघ में छुआ छूत की भावना तो कभी की समाप्त हो चुकी है क्योंकि संघ में सभी जातियों के लोग एक झंडे के नीचे काम करते हैं।

हाल ही के समय में देश भर में संघ का कार्य बहुत तेजी से फैला है। दैनिक शाखाओं में 61 प्रतिशत शाखाएं छात्रों की हैं और 39 प्रतिशत व्यवसायी शाखाएं हैं। संघ की दृष्टि से देशभर में 6506 खंड हैं, इनमें से 84 प्रतिशत से अधिक खंडों में शाखाएं हैं। 59,000 मंडलों में से लगभग 41 प्रतिशत से अधिक मंडलों में संघ का प्रत्यक्ष शाखा के रूप में कार्य है। 2303 नगरीय क्षेत्रों में से 94 प्रतिशत नगरों में शाखा का कार्य चल रहा है एवं आने वाले दो वर्षों में सभी मंडलों में संघ की शाखा हो, ऐसा प्रयास किया जा रहा है। संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर संघ कार्य एक लाख स्थानों तक ले जाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। 2017 से 2022 तक संघ की वेबसाइट में 'ज्वॉइन आरएसएस' के माध्यम से 20 से 35 आयु वर्ग के लगभग 1 लाख से 1.25 लाख युवाओं ने प्रतिवर्ष संघ से जुड़ने की इच्छा व्यक्त की है।

कोरोना महामारी के दौरान संघ के स्वयंसेवकों ने समाज के साथ मिलकर सक्रियता के साथ सेवा कार्य किया था। लगभग 5.50 लाख स्वयंसेवकों ने महामारी के पहले दिन से ही सेवा कार्य प्रारम्भ कर दिया था तथा पूरे समय समाज के साथ सक्रिय सहयोग किया।। विश्व में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जहां बहुत बड़ी संख्या में मठ, मंदिर, गुरुद्वारों से बहुत बड़ा वर्ग सेवा कार्य के लिए निकला। यह एक जागरूक राष्ट्र के लक्षण हैं। साथ ही संघ द्वारा धर्म जागरण, कृषि विकास, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, गौसंवर्धन एवं ग्रामीण विकास का कार्य बहुत अच्छी मात्रा में एवं अच्छी गति के साथ चलाया जा रहा है।

संघ द्वारा हाल ही के समय में सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सेवा कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर देश के हित में कुछ नवोन्मेष कार्य करने का प्रयास भी किया गया है। देश में बेरोजगारी कम करने एवं देश के नागरिकों को स्वावलंबी बनाए जाने के पवित्र उद्देश्य से स्वावलम्बन कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बेरोजगार युवाओं को अपना व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिए प्रेरणा प्रदान करने के साथ ही इस सम्बंध में आवश्यक जानकारी भी उपलब्ध कराई जाती है। कुछ राज्यों के स्थानीय इलाकों में तो एक वृहद सर्वे के माध्यम से यह पता लगाने का प्रयास भी किया गया कि इन स्थानीय इलाकों में किस प्रकार के रोजगार की आवश्यकता है एवं किस प्रकार के कुटीर एवं लघु उद्योग इन इलाकों में प्रारम्भ किये जा सकते हैं ताकि इन इलाकों में इन बेरोजगार युवाओं द्वारा इन उद्योगों को प्रारम्भ कर अन्य युवाओं के लिए भी रोजगार के नए अवसर निर्मित किए जा सकें। साथ ही, स्थानीय उद्योगों से भी आग्रह किया गया कि वे स्थानीय लोगों को ही रोजगार प्रदान करने के प्रयास करें ताकि इन इलाकों से युवाओं के पलायन को रोका जा सके। स्वावलम्बन योजना के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर ही युवाओं में कौशल विकसित करने हेतु भी प्रयास किए जा रहा हैं।

इसी प्रकार ग्राम विकास और कृषि क्षेत्र में विशेष दृष्टि रखते हुए संघ ने भूमि सुपोषण अभियान की शुरूआत भी की है। इस अभियान के अंतर्गत कृषि योग्य भूमि की उर्वरा शक्ति में आई कमी को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि संघ ने इस अभियान को आगे बढ़ाने हेतु, इस क्षेत्र में कार्य करने वाले संगठनों एवं संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करने का निर्णय लिया है। परंतु, पूरे देश में फैले संघ के स्वयंसेवकों के नेटवर्क का संगठित उपयोग कर इस अभियान को बहुत सफल बनाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान को एक

संपादक की कलम से

सुबह की प्रशासनिक सैर

जनादेश की अदालत में हाजिरी के सबूत, सुबह सूरज, शाम नई सुबह की धूप। जनादेश के मूड में सरकार का सदैव तत्पर होना, सारे फासले और सारे रास्ते बदल देता है। सत्ता की सादगी में जनता की शरण में सरकारी चरित्र बदल सकता है। हिमाचल में सरकारों के मुखिया की बनती बिगड़ती छवियों का भी हिसाब रहा है और विपक्षी तेवरों में इसी अंदाज का विरोध भी रहा। जाहिर है अपने जिन तूफानी इरादों से मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने विपक्ष की मांद में हाथ डाल कर, निर्णायक होने का पासा फेंका है, उसके सामने भाजपा बिफर कर सडक़ों पर उतर आई है। दूसरी ओर सुक्खू ने विपक्षी आक्रोश की सडक़ पर सरकार की चहलकदमी से आत्मीय डग भरे हैं। शिमला के मॉल रोड पर मुख्यमंत्री का सैर पर निकलना ऐसे संदेशों की सुबह है, जो सत्ता को सादगी के भ्रमण पर ले जाता है। यह औपचारिक सैर के बजाय घोषित सैर बन जाए, तो प्रशासन भी सडक़ पर आ कर अपनी खामियां देख सकता है। प्रदेश को ऐसा मुख्यमंत्री हमेशा से चाहिए, जो सडक़ पर उतर कर सडक़ का तापमान जाने, लेकिन पिछले कुछ समय से हम मुख्यमंत्रियों की उड़ान को हेलिकाप्टर की सदाबहार सवारी मान रहे हैं। सडक़ से मुख्यमंत्रियों का नाता न केवल हिमाचल की नब्ज दिखाता है, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं का सफर भी कराता है।

हमने इससे पूर्व कई बार इन्हीं कॉलमों में लिखा है कि यदि मुख्यमंत्री सारा साल प्रदेश के अनेक शहरों में सुबह की सैर के बहाने हिमाचल की सुबह का मुयाना करें, तो सचिवालय की घंटियां बज उठेंगी। बेशक शिमला की सैर, सादगी की परिपाटी के साथ सुखविंदर सुक्खू के व्यक्तित्व को आम इनसान की सोहबत में ऊंचा कर देती है, लेकिन ऐसे भ्रमण की आदत तो हर प्रशासनिक, धार्मिक व प्रमुख शहर की सुबह पैदा कर सकती है। सुबह की सैर अगर प्रशासनिक जरूरतों को पूरा करे, तो विकास की वकालत हर सडक़ करेगी। कमोबेश शिमला में सत्ता की अदालत में सरकारें भले ही जनता के बीच नजर आएं, लेकिन सरकार को पूरे हिमाचल को आत्मसात करना है, तो पांव उस धरती पर रखने होंगे, जो राजधानी से नजर नहीं आती। हर मुख्यमंत्री के लिए चिन्हित होतीं शिमला की दूरियां पूरे हिमाचल में पांव पर चलकर ही दूर हुई हैं। शिमला से कांगड़ा, हमीरपुर, ऊना, चंबा, मंडी या कुल्लू को ठीक-ठीक देखने के लिए हर मुख्यमंत्री को निचले क्षेत्रों में भ्रमण करना ही पड़ा है। इससे राजनीति की एक वास्तुकला विकसित हुई है। इसे हम भले ही किसी निगाह से देखें, लेकिन वीरभद्र सिंह द्वारा शुरू किया गया शीतकालीन प्रवास दरअसल निचले हिमाचल की संवेदना को मापने की एक अनिवार्यता पैदा कर चुका है।

तपोवन में विधानसभा परिसर उन कदमों को मापता है, जो शिमला की सत्ता से निकल कर निचले हिमाचल की तासीर को अनुभव करते हैं। इसी तरह के पैगाम वर्तमान मुख्यमंत्री की सुबह की सैर दे रही है, तो इसे समूचे हिमाचल की सैर में श्रृंगारित करना होगा। मुख्यमंत्री अगर हर महीने हिमाचल का कोई एक शहर या महत्त्वपूर्ण स्थल चुन कर उसे 'सुबह की सैर' के जरिए मापें, तो सारे विभागों की पड़ताल हो जाएगी। जनता सीधे अपने जनप्रतिनिधियों से बहुत कुछ कहना चाहती है, लेकिन प्रशासनिक ढर्रे की दीवारें या सियासी तबेलों के अंधेरे न तो सुनने और न ही देखने देते हैं। कायदे से अगर मुख्यमंत्री अपना एक दिन किसी मेडिकल कालेज में गुजारें, तो प्रथम जानकारी के रूप में पता चल जाएगा कि ऐसे संस्थानों की अंदरूनी व्यवस्था कितनी वीभत्स है। इस कॉलम के लेखक के सामने टांडा मेडिकल कालेज के अनेक किस्से आए हैं, जहां दायित्व निर्वहन के बजाय, मरीजों को इसलिए बाहर भेज दिया ताकि वे या तो घर लौट कर मर जाएं या पीजीआई के रास्ते पर प्राण त्यागते हुए टीएमसी को सफेदपोश बने रहने की खुशफहमी में बरकरार रखें।

व्यंग्य

धोबी का कुत्ता

एक कहावत है धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का। वह बेचारा न इधर का होता है न उधर का। उसे बीच वाला कहा जा सकता है। उसकी हालत बीच वाले ही समझ सकते हैं। इन बीच वालों की कई क़िस्में होती हैं। ज़िन्दगी के हर शोबे में ये धोबी के कुत्ते की तरह घूमते मिल जाते हैं। भले ही भारत स्वयम् को कल्याणकारी राज्य घोषित करता रहे पर सच तो यह है कि बीच वालों की एक क़िस्म का हाल जानने में सरकार को भी बहुत वक्त लगा। सरकार ने अभी कुछ अरसा पहले ही इन बीच वालों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा एवं कल्याण के कई क़दम उठाए हैं। सदियों तक बेचारे ये बीच वाले घर वालों के सामने भी अपनी बात कहने से कतराते रहे। लेकिन ऐसा भी नहीं कि सिर्फ इन्हीं बीच वालों की हालत दयनीय हो। बीच वाले कहीं भी हो सकते हैं। मिसाल के लिए अफसरशाही में भी धोबी के कुत्ते, मेरा मतलब है कि बीच वाले अफसर ही पिसते हैं। ऊपर वालों के ऊपर किसी का बस नहीं चलता। नीचे वालों को कोई पूछता नहीं। सिर्फ बीच वालों की जवाबदेही बनती है। अगर विश्वास नहीं तो भारत सरकार के संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारियों से पूछ कर देख लें। यही हाल घर में बीच वाले बच्चों का होता है। एक पहाड़ी कहावत है, जिसका हिन्दी तर्जुमा कुछ इस तरह हो सकता है 'बड़ा बाप को प्यारा, छोटा मां को प्यारा, बीच वाले तेरा भगवान सहारा'। इन बेचारों को अपने मन की बात कहने के लिए ऑल इण्डिया रेडियो वालों का सहारा ढूँढना पड़ता है।

लेकिन वह सहारा भी किसी युगपुरुष को ही नसीब होता है। नहीं तो मन की बात मन के बीच में ही अटक कर रह जाती है। युगपुरूष होने पर आपको प्रायोजित सवाल करने वाले भी मिल जाते हैं और श्रोता भी। यूँ तो आदमी का व्यक्तित्व कई प्रकार का हो सकता है। कुछ व्यक्ति गंभीर होते हैं तो कुछ हँसमुख। पर इन दोनों के बीच वाली शख्सियतों की कोई ख़ास पूछगछ नहीं होती। गंभीर चेहरा दर्शाने के कई फायदे हैं। ऐसे व्यक्तित्व वाले अपनी मूर्खता को सहजता से पोशीदा बना सकते हैं। उनके चेहरे पर मुस्कान केवल कैमरा देख कर ही आती है और कैमरा हटते ही वे फिर गंभीरता का लबादा ओढ़ लेते हैं। मूर्खतापूर्ण बात कहने या कृत्य के बाद जब ऐसे आदमी पुनः गंभीर हो जाते हैं तो आप उन पर हँस भी नहीं पाते। वहीं दूसरी ओर हँसमुख आदमी कई बातों को यूँ ही हवा में उड़ा देता है। पर उससे भी आदमी असहज नहीं होता। लेकिन बीच वाला आदमी न इस ओर का होता है न उस छोर का। मिसाल के लिए काँग्रेस के चिर युवराज को देख लें। देश चाहे भी तो उन्हें अपनी बागडोर नहीं सौंप सकता। लेकिन आदमी गांभीर्यता का नक़ाब ओढ़े हो तो दिखे तो मूर्खतापूर्ण बात कहने के बाद भी सहज गंभीर दिख कर अपनी विद्वता को क़ायम रख सकता है। उनसे न कोई नोटबंदी पर प्रश्न पूछता है और न एंटायर पॉलिटिकस साईंस की डिग्री के बारे में बात करता है। यही हाल मध्यमवर्गीय तबके का है। मध्यम वर्ग के संघर्षों, उम्मीदों, ख़ुशियों और सामाजिक दबावों को झेलता यह तबका सारी उम्र अपने मूल्यों और इच्छाओं के बीच झूलता रहता है। उसका सपना एक बड़ा घर, फैंसी कार खरीदने और विदेश घूमने का होता है, लेकिन सीमित आय और ज़रूरी खर्चों की वजह से एक के बाद उसके सपने पीछे छूटते चले जाते हैं। रही-सही कसर सरकार निकाल देती है। सरकार को पता होता होता है कि यही एक वर्ग है जिसकी बालू से पाँच साल में कभी भी तेल निकाला जा सकता है। यह मध्यम वर्ग ही है, जो सरकार के करों का बोझ भी ढोता है और अपनी उम्मीदों और उमंगों का भी। लेकिन सरकार है कि इस बीच वाले वर्ग को पीसने के लिए इनकम टैक्स में राहत देने के नाम पर नई और पुरानी रिजीम के नए-नए जाल बिछाती रहती है।

अमेरिका में बंदूक संस्कृति ने बड़ा सामाजिक संकट खड़ा कर दिया है

ललित गर्ग

अमेरिका में आए दिन ऐसी खबरें आती रहीं कि किसी सिरफिरे ने अपनी बंदूक से कहीं स्कूल में तो कभी बाजार में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उसमें नाहक ही लोग मारे गए। इसके पीछे एक बड़ा कारण वहां आम लोगों के लिए हर तरह के बंदूकों की सहज उपलब्धता है।

हिंसा की बोली बोलने वाला, हिंसा की जमीन में खाद एवं पानी देने वाला, दुनिया में हथियारों की आंधी लाने वाला अमेरिका जब खुद हिंसा का शिकार होने लगा तो उसकी नींद टूटी हैं। अमेरिका की आधुनिक सभ्यता की सबसे बड़ी मुश्किल यही रही है कि यहां हिंसा इतनी सहज बन गयी है कि हर बात का जवाब सिर्फ हिंसा की भाषा में ही दिया जाने लगा। वहां हिंसा का परिवेश इतना मजबूत हो गया है कि वहां की बन्दूक-संस्कृति से वहां के लोग अपने ही घर में बहुत असुरक्षित हो गए थे। लंबे समय से बंदूकों की सहज उपलब्धता का खामियाजा उठाने के बाद वहां के लोगों ने अपने स्तर पर इसके खिलाफ मोर्चा खोलना शुरू कर दिया है और राष्ट्रपति जो बाइडेन को हथियारों के दुरुपयोग पर अंकुश से संबंधित कार्यकारी आदेश पर किये हस्ताक्षर करने को विवश होना पड़ा है। पिछले साल जून में भारी तादाद में लोगों ने सड़कों पर उतर कर बंदूकों की खरीद-बिक्री से संबंधित कानून को बदलने की मांग की। जरूरत इस बात की है कि इस समस्या के पीड़ितों को राहत देने के साथ-साथ बंदूकों के खरीदार से लेकर इसके निर्माताओं और बेचने वालों पर भी सख्त कानून के दायरे में लाया जाए। अमेरिका की ही तरह पंजाब में पनप रही बन्दूक-संस्कृति को भी नियंत्रित किया जाना जरूरी है।

अमेरिका में आए दिन ऐसी खबरें आती रहीं कि किसी सिरफिरे ने अपनी बंदूक से कहीं स्कूल में तो कभी बाजार में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उसमें नाहक ही लोग मारे गए। इसके पीछे एक बड़ा कारण वहां आम लोगों के लिए हर तरह के बंदूकों की सहज उपलब्धता है और इन बन्दूकों का उपयोग मामूली बातों और उन्मादग्रस्त होने पर अंधाधुंध गोलीबारी में होता रहा है, जो गहरी चिन्ता का कारण बनता रहा। आम जन-जीवन में किसी सिरफिरे व्यक्ति की सनक से किसी बड़ी अनहोनी का अन्देशा हमेशा वहां बना रहता है, वहां की आस्थाएं एवं निष्ठाएं इतनी जख्मी हो गयीं कि विश्वास जैसा सुरक्षा-कवच मनुष्य-मनुष्य के बीच रहा ही नहीं। साफ चेहरों के भीतर कौन कितना बदसूरत एवं उन्मादी मन समेटे है, कहना कठिन है। अमेरिका की हथियारों की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। अब तो दुनिया के साथ-साथ अमेरिका स्वयं ही इन हथियारों एवं हिंसक मानसिकता का शिकार है।

अमेरिका दुनिया पर आधिपत्य स्थापित करने एवं अपने शस्त्र कारोबार को पनपाने के लिये जिस अपसंस्कृति को उसने दुनिया में फैलाया है, उससे पूरी मानवता कराह रही है, पीड़ित है। अमेरिका ने नई विश्व व्यवस्था (न्यू वर्ल्ड आर्डर) की बात की है, खुलेपन की बात की है लगता है "विश्वमानव" का दम घुट रहा है और घुटन से बाहर आना चाहता है। विडम्बना देखिये कि अमेरिका दुनिया का सबसे अधिक शक्तिशाली और सुरक्षित देश है लेकिन उसके नागरिक सबसे अधिक असुरक्षित और भयभीत नागरिक हैं। वहां की जेलों में आज जितने कैदी हैं, दुनिया के किसी भी देश में नहीं हैं। ऐसे कई वाकये हो चुके हैं कि किसी रेस्तरां, होटल या फिर जमावड़े पर अचानक किसी सिरफिरे ने गोलीबारी शुरू कर दी और बड़ी तादाद में लोग मारे गए। 2014 में अमेरिका में हत्या के कुल दर्ज करीब सवा चौदह हजार मामलों में अड़सठ फीसद में बंदूकों का इस्तेमाल किया गया था। खुद सरकार की ओर से कराए गए एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि अमेरिका में सत्रह साल से कम उम्र के करीब तेरह सौ बच्चे हर साल बंदूक से घायल होते हैं। अमेरिकी प्रशासन को 'बंदूक संस्कृति' ही नहीं बल्कि हथियार संस्कृति पर भी अंकुश लगाना होगा, अब तो दुनिया को जीने लायक बनाने में उसे अपनी मानसिकता को बदलना होगा।

कोई घातक हथियार साथ में होने के बाद मामूली बातों पर होने वाले झगड़े या फिर बेवजह ही किसी के उन्माद से ग्रस्त हो जाने पर कैसे नतीजे सामने आ सकते हैं, अमेरिका ने उसे करीब से देखा है, जहां हर

> "अमेरिका में आए दिन ऐसी खबरें आती रहीं कि किसी सिरफिरे ने अपनी बंदूक से कहीं स्कूल में तो कभी बाजार में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उसमें नाहक ही लोग मारे गए। इसके पीछे एक बड़ा कारण वहां आम लोगों के लिए हर तरह के बंदूकों की सहज उपलब्धता है और इन बन्दूकों का उपयोग मामूली बातों और उन्मादग्रस्त होने पर अंधाधुंध गोलीबारी में होता रहा है, जो गहरी चिन्ता का कारण बनता रहा।

साल सैंकड़ों लोग इसकी वजह से मारे जाते हैं। किसी भी संवेदनशील समाज को इस स्थिति को एक गंभीर समस्या के रूप में देखना-समझना चाहिए। यह बेवजह नहीं है कि जिस अमेरिका में ज्यादातर परिवारों के पास अलग-अलग तरह की बंदूकें रही हैं, वहां अब इस हथियार की संस्कृति के खिलाफ आवाजें उठनी शुरू हो गई हैं। यह आवाज उठना बहुत जरूरी था, देर आये दुरुस्त आये की कहावत के अनुसार अमेरिका की आंख खुली है तो अमेरिका के साथ दुनिया को एक शांति एवं अहिंसा का सन्देश जायेगा। निश्चित ही अमेरिका में हिंसा की इस संस्कृति पर नियंत्रण नितान्त जरूरी था। क्योंकि अमेरिका आज दुनिया में अपराध का सबसे बड़ा अड्डा है और हिंसा की जो संस्कृति उसने दुनिया में फैलाई, आज वह स्वयं उसका शिकार है। जाहिर है कि वहां होने वाली गोलीबारी की घटनाएं सैकडों लोगों के प्राण लेती रही है जो इस्लामी आतंकवाद की घटनाएं नहीं होती थीं तो फिर यह क्या थी? यह ऐसा सवाल है, जो अमेरिकी सभ्यता को बेनकाब कर देता है। क्या यह अमेरिका की भौतिकतावादी एवं हिंसक संस्कृति की निष्पत्ति है? पीड़ितों के मानसिक आघात और अन्य मुश्किलों को समझते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मंगलवार को बंदूक के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने की दिशा में सार्थक पहल की है। इसके तहत बंदूक की बिक्री के दौरान की जाने वाली 'पृष्ठभूमि जांच' को बेहतर बनाया जाएगा। इसके जरिए बाइडेन ने मंत्रिमंडल को बंदूक हिंसा से जूझ रहे समुदायों के समर्थन के लिए एक बेहतर सरकारी तंत्र बनाने का निर्देश दिया है। यह छिपा नहीं है कि बिना किसी वजह के की गई गोलीबारी में किसी प्रियजन को गंवाने वालों को किस तरह के मानसिक आघात और अन्य मुश्किलों से जूझना पड़ता है। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वछन्द हो जाते हैं। 'मूड ठीक नहीं' की स्थिति में घटना सिर्फ घटना होती है, वह न सुख देती है और न दुःख। ऐसी स्थिति में आदमी अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्त-व्यस्तता को प्रकट करने का। ऐसे लोगों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती।

चिंतन विचार

न्याय होना भी चाहिए, दिखना भी चाहिए

राजेंद्र मोहन शर्मा
पूर्व डीआईजी

संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जनता को जल्द न्याय मिलने के मौलिक अधिकार के तहत अदालतों की खुली कार्यवाही देखने का भी अधिकार है, मगर ऐसा अदालतें होने नहीं देती'

पुलिस एवं न्यायालय दोनों न्याय के सोपान होते हैं। पीड़ित व्यक्ति के लिए जहां पुलिस न्याय का पहला पड़ाव है, वहां न्यायालय एक आखिरी व महत्वपूर्ण आशा की किरण की तरह होता है। मगर जब दोनों पड़ावों पर असहाय व्यक्ति को वांछित सुकून न मिल पाए, तब कानून के विश्वास पर गहरी चोट लगती है। पुलिस के लिए किसी अपराधी को पकडना और फिर जमानत पर छोड़ देना ही काफी नहीं है, बल्कि पीड़ित के साथ सच्ची सहानुभूति रखना तथा तफतीश को सही मुकाम पर पहुंचाना और भी महत्वपूर्ण होता है। वास्तव में पीड़ित व्यक्ति को इस बात का एहसास व विश्वास करवाना भी आवश्यक होता है कि अपराधियों के साथ कड़ी पूछताछ की गई है। पीड़ित व्यक्ति को कई बार इस बात का पता ही नहीं चलता और उसे बताया भी नहीं जाता है कि गवाहों का बयान क्या लिखा गया है और जघन्य अपराधों में अपराधी की जमानत न होने के लिए पुलिस ने क्या-क्या प्रयत्न किए हैं। कई बार पुलिस वास्तविक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर रिपोर्ट दर्ज कर लेती है तथा अपराधियों को अनुचित लाभ पहुंचाने की कोशिश की जाती है तथा इसी तरह केस को बिना वजह से लम्बित रखा जाता है तथा अपराधी सरेआम दनदनाते रहते हैं। ऐसे खूंखार व बेरहम अपराधियों को बंधित नहीं करवाया जाता तथा न्याय खुले तौर पर लहुलूहान होता रहता है। पुलिस भले ही उचित व निष्पक्ष ढंग से कार्रवाई कर रही हो, मगर अब भी तफतीश का पारम्परिक व वर्षों से चला हुआ रिवाज नहीं बदला जा रहा है। कई बार अपराधियों को उनके द्वारा किए गए गुनाहों के अनुरूप कानूनी दायरे में न लाकर उनसे ज्यादती या पक्षपात कर दिया जाता है। यह भी देखा गया है कि पुलिस किसी अपराधी को अपनी हिरासत में रखने के लिए न्यायालय से गुहार करती रहती है तथा हिरासत समाप्त होने के बाद अपराधी को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए इस बात का वर्णन करते हुए सिफारिश की जाती है कि वह गवाहों को डरा-धमका सकता है या फिर कहीं भाग सकता है तथा जज साहिब भी पुलिस की सिफारिश को यथावत उचित मानते हुए अपराधियों को अनिश्चित समय की न्यायिक हिरासत बढ़ा देते हैं। ऐसे हालात में अपराधी को अपने जुर्म से अधिक सजा भुगतने को मजबूर कर दिया जाता है। हलांकि भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 167 व 468 के अंतर्गत पुलिस को अपनी तफतीश की एक निश्चित परिसीमा बढ़ाने का अधिकार है, मगर फिर भी यह चाहिए कि तफतीश को कम से कम समय में पूरा करके न्यायालय में भेजा जाए। वर्ष 2010 में भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41 में संशोधन किया गया तथा पुलिस को सात वर्ष की सजा से कम वाले अपराधों में मुलाजमों को जमानत पर छोडने के लिए अधिकारित किया गया है। ऐसा इसलिए किया गया कि पुलिस आमतौर पर छोटे मोटे अपराधों में भी लोगों की जमानत नहीं होने देती थी तथा वकीलों का एक बहुत मक्कडज़ाल जमानत करवाने के लिए ऐसे अपराधियों से मनचाहे पैसे वसूलते रहते थे। उदाहरणतः पति या ससुराल वालों द्वारा किसी महिला का उत्पीडन किए जाने पर 498.।

भारतीय दंड संहिता के अन्तर्गत मुक्कदमा दर्ज किया जाता, मगर इस में कुल सजा दो वर्ष तक ही है तथा अपराधियों को पुलिस अपने ही स्तर पर जमानत दे सकती है, मगर कई बार ऐसा भी देखा गया है कि पुलिस कोई न कोई बहाना बनाकर कोर्ट से जमानत नहीं होने देती। इस सम्बन्ध में अरनेश कुमार बनाम बिहार राज्य क्रिमिनल अपील नंबर 1277 वर्ष 2014 का हवाला देना उचित है। जिसके अनुसार पुलिस ने निचली अदालत में सांठगांठ करके अपराधियों को जमानत न देकर उन्हें सलाखों के पीछे धकेल दिया था। इस अपील में उच्चतम न्यायालय ने पुलिस अधिकारी व सम्बन्धित जज के विरुद्ध कंटैप्ट आफ कोर्ट का निर्णय देकर उचित कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। जज को तो परमात्मा का रूप माना जाता है क्योंकि वह किसी की जिन्दगी ले भी सकता और दे भी सकता है। संविधान ने उन्हें अपार शक्तियां प्रदान की हैं, जिनका उपयोग वे अपने विवेक के अनुसार कर सकते हैं, मगर शायद पद की नजाकत की वजह से कई बार कुछ जज साहिब विवेक का सही व पूर्ण उपयोग नहीं कर पाते तथा पीडित/अपराधी दोनों को उचित समय पर न्याय नहीं मिल पाता। कुछ जज किसी न किसी पूर्वाग्रह से ग्रस्त भी होते हैं तथा अपने पद की गरिमा का बिल्कुल ध्यान नहीं रखते हैं। न्याय न सिर्फ होना चाहिए मगर दिखना भी चाहिए, यह उक्ति महान रोमन सम्राट जुलियस सीजर के इस व्यक्तव्य से ली गई है कि उसकी पत्नी न केवल सन्देह रहित बल्कि सन्देह से ऊपर होनी चाहिए।

एसवीबी व सिग्नेचर की तरह और 186 बैंक खतरे में हैं, रिपोर्ट में जाहिर की गई आशंका

नई दिल्ली। जानकारों का मानना है कि सिलिकॉन वैली बैंक की विफलता बढ़ती ब्याज दरों और गैर-बीमाकृत जमा से उत्पन्न जोखिमों का एक उदाहरण है। दरों के बढ़ने से बैंक की परिसंपत्तियों का मूल्य कम हो गया और घबराए ग्राहकों ने अपनी गैर-बीमाकृत जमा राशि तेजी से निकालनी शुरू कर दी।

एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि बढ़ती ब्याज दरों और गैर-बीमित जमा के उच्च अनुपात के कारण अमेरिका में 186 बैंकों पर विफलता का खतरा मंडरा रहा है। सोशल साइंस रिसर्च नेटवर्क पर '2023 में मौद्रिक सख्ती और अमेरिकी बैंक नाजुकता: मार्क-टू-मार्केट लॉस एंड अनइंश्योर्ड डिपॉजिटर रन्स?' शीर्षक से जारी इस शोध में फेडरल रिजर्व के दर-वृद्धि अभियान के दौरान व्यक्तिगत बैंकों की परिसंपत्तियों के बाजार मूल्य के नुकसान का अनुमान लगाया गया है।

अध्ययन में बैंकों की उन जमाओं की भी जांच की गई जो 2,50,000 डॉलर से अधिक हैं और नियमों के अनुसार बीमित नहीं हैं। अध्ययन के अनुसार ढाई लाख डॉलर से अधिक जमा वाले गैरबीमित निवेशकों में अगर आधे ने भी इन 186 बैंकों से जल्दबाजी में पैसे निकाल लिए तो बीमित जमाकर्ताओं को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसी स्थिति होने पर बैंकों के पास सभी जमाकर्ताओं की पूरी राशि का भुगतान करने के लिए पर्याप्त संपत्ति नहीं होगी। ऐसी स्थिति में एफडीआईसी को दखल देना पड़ सकता है।

हालांकि यहां यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि शोध में हेजिंग पर कोई विचार नहीं किया गया जो बैंकों को बढ़ती ब्याज दरों के दुष्प्रभाव से बचा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया, 'भले ही गैर-बीमित जमाकर्ताओं में से केवल आधे ही निकासी का फैसला लें पर इससे 186 से 190 बैंकों के बीमाकृत जमाकर्ताओं को भी नुकसान का संभावित खतरा है। ऐसा होने से 300 अरब डॉलर की बीमाकृत जमाराशि भी खतरे में होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर गैरबीमित जमा राशि की तेज निकासी जारी रही तो कई बैंक खतरे में पड़ सकते हैं।

सिलिकॉन वैली बैंक की विफलता बढ़ती ब्याज दरों और गैर-बीमाकृत जमा से उत्पन्न जोखिमों का एक उदाहरण है। दरों के बढ़ने से बैंक की परिसंपत्तियों का मूल्य कम हो गया और घबराए ग्राहकों ने अपनी गैर-बीमाकृत जमा राशि तेजी से निकालनी शुरू कर दी। नतीजा यह हुआ कि बैंक अपने जमाकर्ताओं के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने में विफल रहा और उसे बंद करने की नौबत आ गई। अध्ययन करने वाले अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी कि है कि 186 बैंकों को सरकारी हस्तक्षेप या पुनर्पूजीकरण की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो उनकी हालत एवीबी या सिग्नेचर बैंक जैसी हो सकती है। रिपोर्ट में बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच बैंकों की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक जोखिम प्रबंधन और वित्तीय स्रोतों के विविधीकरण को महत्वपूर्ण माना गया है।

डिज्नी भी करेगी चार हजार कर्मचारियों की छंटनी, सामने आई बड़ी वजह

डिज्नी की आगामी 3 अप्रैल को सालाना बैठक होनी है। माना जा रहा है कि इसी बैठक में छंटनी का एलान हो सकता है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की दिग्गज कंपनी डिज्नी चार हजार कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी ने अपने मैनेजर्स को छंटनी किए जाने वाले कर्मचारियों की पहचान करने के निर्देश दिए हैं। कंपनी अप्रैल में यह छंटनी करेगी। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं है कि कर्मचारियों की छंटनी छोटे ग्रुप में होगी या फिर एक साथ चार हजार की नौकरी जाएगी। डिज्नी की आगामी 3 अप्रैल को सालाना बैठक होनी है। माना जा रहा है कि इसी बैठक में छंटनी का एलान हो सकता है।

सात बिलियन डॉलर बचाएगी कंपनी

डिज्नी पुनर्संरचना के तहत अपने बजट में कटौती कर रहा है और इसी वजह से इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारियों की छंटनी की जा रही है। एंटरटेनमेंट कंपनी अपनी स्ट्रीमिंग सर्विस Hulu को लेकर भी विचार कर रही है। ऐसी खबरें आ रही हैं कि कंपनी अपनी स्ट्रीमिंग सर्विस बिजनेस में भी कटौती कर सकती है। इससे पहले कंपनी के सीईओ बॉब इगर ने फरवरी को एलान किया था कि डिज्नी सात हजार कर्मचारियों की छंटनी करेगी। इससे कंपनी करीब सात बिलियन डॉलर बचाएगी। कंपनी कंटेंट में कमी के साथ ही कर्मचारियों की सैलरी में भी कटौती की योजना बना रही है।

बता दें कि हाल के समय में कई कंपनियों ने कर्मचारियों की छंटनी का एलान किया है। इनमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा का नाम भी शामिल है। मेटा करीब 10 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। इससे पहले ही मेटा ने करीब 11 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है।

मेटा में भी बड़े पैमाने पर होगी छंटनी

बता दें कि हाल के समय में कई कंपनियों ने कर्मचारियों की छंटनी का एलान किया है। इनमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा का नाम भी शामिल है। मेटा करीब 10 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। इससे पहले ही मेटा ने करीब 11 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी कंपनी जूम ने भी अपने 15 फीसदी कर्मचारियों को निकालने का प्लान बनाया है। इसके तहत कंपनी 1500 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रही है।

इनसाइड

सोने में 380 रुपये का उछाल, चांदी की कीमतों में 90 रुपये की गिरावट दर्ज की गई

नई दिल्ली। विदेशों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 380 रुपये की तेजी के साथ 57,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। इस दौरान चांदी की कीमतें 90 रुपये गिरकर 66,535 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। विदेशों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 380 रुपये की तेजी के साथ 57,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 57,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। हालांकि, इस दौरान चांदी की कीमतें 90 रुपये गिरकर 66,535 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, "दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने का हाजिर भाव 380 रुपये की तेजी के साथ 57,450 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। विदेशी बाजारों में सोना तेजी के साथ 1,922 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 21.61 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही। गांधी के अनुसार स्विस बैंक क्रेडिट सुइस की परेशानी बढ़ने से दुनियाभर में बैंकिंग सेक्टर से जुड़ी चिंता बढ़ने और निवेशकों के सुरक्षित निवेश की ओर रुख करने से गुरुवार को एशियाई कारोबारी घंटों में कॉमेक्स सोने की कीमतों में मामूली तेजी आई।

बाजार में कमजोरी बरकरार, सेंसेक्स 100 अंक टूटा, निफ्टी 16950 के नीचे पहुंचा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को लाल निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। फिलहाल सेंसेक्स 119.31 (-0.21%) अंकों की गिरावट के साथ 57,436.59 अंकों के लेवल पर कारोबार करता दिख रहा है वहीं निफ्टी 53.10 (-0.31%) अंक टूटकर 16,919.05 अंकों के लेवल पर ट्रेड कर रहा है। शुरुआती कारोबार में हिंडाल्को के शेयरों में 3 प्रतिशत जबकि टाटा स्टील के शेयरों में 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। डॉलर के मुकाबलये रुपया 11 पैसे की गिरावट के साथ 82.76 रुपये के लेवल पर कारोबार करता दिख रहा है।

गवर्नर ने डिजिटल भुगतान में शिकायत निवारण तंत्र की उपलब्धता व सामर्थ्य पर दिया जोर, कही ये बात

शक्तिकांत दास ने कहा कि पारंपरिक बैंक शाखा मॉडल एक भौतिक स्थान प्रदान करता है जहां ग्राहक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं, डिजिटल भुगतान में ऐसा नहीं हो पा रहा है। यहां उपयोगकर्ताओं को कभी-कभी अपनी शिकायतों को दर्ज करने के लिए उचित मंच का पता लगाने में मुश्किल होती है।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शनिवार को डिजिटल भुगतान में त्वरित शिकायत निवारण तंत्र की उपलब्धता और सामर्थ्य के महत्व पर जोर दिया। शनिवार को कोच्चि में भुगतान प्रणाली ऑपरेटरों (पीएसओ) सम्मेलन में बोलते हुए, गवर्नर ने कहा, ₹डिजिटल भुगतान में जनता का विश्वास सुनिश्चित करने के लिए त्वरित शिकायत निवारण तंत्र की उपलब्धता और सामर्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शक्तिकांत दास ने कहा कि पारंपरिक बैंक शाखा मॉडल एक भौतिक स्थान प्रदान करता है जहां ग्राहक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं, डिजिटल भुगतान में ऐसा नहीं हो पा रहा है। यहां उपयोगकर्ताओं को कभी-कभी अपनी शिकायतों को दर्ज करने के लिए उचित मंच का पता लगाने में मुश्किल होती है। उन्होंने कहा, ₹लोगों को अपनी शिकायतों को हल करने में जितना संघर्ष करना पड़ता है, उससे इस बात की संभावना बढ़ती है कि वे भविष्य में डिजिटल भुगतान का प्रयास करने से बचेंगे। गवर्नर ने कहा कि पीएसओ की ओर से लेनदेन का त्वरित मिलान ग्राहकों की शिकायतों को दूर करने का एक आसान और त्वरित तरीका है। उन्होंने कहा कि शून्य से न्यूनतम मैनुअल हस्तक्षेप के साथ शिकायतों के नियम-आधारित समाधान का समर्थन करने के लिए नवीनतम तकनीकों का भी लाभ उठाया जा सकता है।

शक्तिकांत दास ने कहा कि पारंपरिक बैंक शाखा मॉडल एक भौतिक स्थान प्रदान करता है जहां ग्राहक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं, डिजिटल भुगतान में ऐसा नहीं हो पा रहा है। यहां उपयोगकर्ताओं को कभी-कभी अपनी शिकायतों को दर्ज करने के लिए उचित मंच का पता लगाने में मुश्किल होती है। उन्होंने कहा, ₹लोगों को अपनी शिकायतों को हल करने में जितना संघर्ष करना पड़ता है, उससे इस बात की संभावना

अधिक पेंशन का विकल्प चुनने की समयसीमा बढ़ी, अब इस तारीख तक कर सकेंगे आवेदन

नई दिल्ली। ईपीएफओ ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'जो कर्मचारी एक सितंबर 2014 से पहले सेवा में थे और एक सितंबर 2014 को या उसके बाद सेवा में बने रहे, लेकिन कर्मचारी पेंशन योजना के तहत संयुक्त विकल्प का इस्तेमाल नहीं कर सके हैं वे अब 3 मई 2023 को या उससे पहले ऐसा कर सकते हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अंशधारकों के लिए उच्च पेंशन का विकल्प चुनने के लिए 3 मई की समयसीमा तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने 4 नवंबर को उन कर्मचारियों को एक और बदलाव की अनुमति दी थी जो 1 सितंबर 2024 तक मौजूदा ईपीएस सदस्य रहेंगे। वे पेंशन के लिए अपने वास्तविक वेतन का 8.33 प्रतिशत तक योगदान कर सकते हैं यदि पेंशन योग्य वेतन का 8.33 प्रतिशत प्रति माह 15,000 रुपये प्रति माह है।

शीर्ष अदालत ने उच्च पेंशन का विकल्प चुनने के लिए चार महीने का समय दिया था। यह समय सीमा 3 मार्च, 2023 के को समाप्त होनी थी। लेकिन ईपीएफओ ने पिछले सप्ताह ही कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत उच्च पेंशन का विकल्प चुनने की प्रक्रिया शुरू की। इसके बाद आशंका जताई जा रही थी कि ईपीएफओ ने इस मामले में फैसला लेने में देरी कर दी है ऐसे में इसकी समयसीमा बढ़ाई जा सकती है।

ईपीएफओ ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'जो कर्मचारी एक सितंबर 2014 से पहले सेवा में थे और एक सितंबर 2014 को या उसके बाद सेवा में बने रहे, लेकिन कर्मचारी पेंशन योजना के

तहत संयुक्त विकल्प का इस्तेमाल नहीं कर सके हैं वे अब 3 मई 2023 को या उससे पहले ऐसा कर सकते हैं। वर्तमान में, कर्मचारी और नियोक्ता दोनों कर्मचारी के मूल वेतन, महंगाई भत्ते और रिटेनिंग भत्ते, यदि कोई हो, का 12 प्रतिशत कर्मचारी भविष्य निधि या ईपीएफ में योगदान करते हैं। कर्मचारी का पूरा योगदान ईपीएफ में जाता है, जबकि नियोक्ता द्वारा 12 प्रतिशत योगदान ईपीएफ में 3.67 प्रतिशत और ईपीएस में 8.33 प्रतिशत के रूप में विभाजित किया जाता है।

भारत सरकार एक कर्मचारी की पेंशन में 1.16 प्रतिशत का योगदान करती है, जबकि कर्मचारी पेंशन योजना में योगदान नहीं करते हैं। ईपीएफओ ने कहा, 'ज्वाइंट ऑप्शन फाइल करने के लिए ऑनलाइन सुविधा जल्द ही आ रही है। इससे पहले, ऐसी आशंकाएं थीं कि 3 मार्च, 2023 उच्च पेंशन का विकल्प चुनने की अंतिम तिथि है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने अदाणी को पहुंचाया नुकसान

रोकना पड़ा 34,900 करोड़ रुपये का पेट्रोकेम प्रोजेक्ट

मीडिया रिपोर्ट्स ने सूत्रों के हवाले से ये खबर दी है। अदाणी एंटरप्राइजेज ने साल 2021 में गुजरात के कच्छ में अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनोमिक जोन भूमि पर कोल टू पीवीसी प्लांट स्थापित करने के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड को इनकॉरपोरेट किया था।

अदाणी एंटरप्राइजेज ने साल 2021 में गुजरात के कच्छ में अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनोमिक जोन भूमि पर कोल टू पीवीसी प्लांट स्थापित करने के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड को इनकॉरपोरेट किया था।

नई दिल्ली। अमेरिकन शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से अभी भी अदाणी को नुकसान हो रहा है। अदाणी के शेयरों और संपत्ति में भारी गिरावट के बाद अब अदाणी को एक और बड़ा नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अदाणी ने 34,900 करोड़ रुपये के पेट्रोकेमिकल प्रोजेक्ट पर काम को रोक दिया है। इस प्रोजेक्ट पर गुजरात के मुंद्रा में काम हो रहा था।

मीडिया रिपोर्ट्स ने सूत्रों के हवाले से ये खबर दी है। अदाणी एंटरप्राइजेज ने साल 2021 में गुजरात के कच्छ में अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनोमिक जोन भूमि पर कोल टू पीवीसी प्लांट स्थापित करने के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड को इनकॉरपोरेट किया था।

क्यों रोकना पड़ा काम?

बताया जाता है कि 24 जनवरी को जैसे ही हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट आई तो माहौल एकदम से बदल गया। रिपोर्ट में अकाउंटिंग फ्रॉड, स्टॉक मैनिपुलेशन और दूसरे कॉरपोरेट गवर्नेंस खामियों के आरोप लगाए गए थे। इसके बाद अदाणी ग्रुप की कंपनियों की कुल मार्केट वैल्यू 140 अरब डॉलर गिर गई थीं। सेब से लेकर एयरपोर्ट तक के कारोबार में शामिल यह ग्रुप अब निवेशकों का भरोसा फिर से जीतने के प्रयासों में लगा है। ऐसे में ग्रुप की विस्तार योजनाओं को झटका लगा है। बताया जा रहा है कि अदाणी फिलहाल कपना सारा कर्ज चुकाने और शेयर धारकों पर विश्वास बढ़ाने पर काम कर रहे हैं।

क्या है अदाणी ग्रुप की रणनीति?

रिपोर्ट्स के अनुसार, अदाणी ग्रुप की कमबैक स्ट्रेटेजी निवेशकों की कर्ज से जुड़ी चिंताओं को दूर करने पर आधारित है। ग्रुप कुछ लोन्स का पेमेंट करके और परिचालन को मजबूत करके आरोपों से लड़ने का काम कर रहा है। ग्रुप ने हिंडनबर्ग द्वारा लगाए सभी आरोपों को सिरे से नकारा है। अदाणी ग्रुप कैश फ्लो और उपलब्ध फाइनेंस के आधार पर अपने प्रोजेक्ट्स का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है।

इसके अलावा अदाणी समूह ने सात हजार करोड़ रुपये के कोयला संयंत्र की खरीद को भी रद्द कर दिया है और खर्चों को बचाने के लिए बिजली व्यापारी पीटीसी में हिस्सेदारी के लिए बोली लगाने की योजना को स्थगित कर दिया है। इसने समूह की कंपनियों में प्रवर्तक की हिस्सेदारी गिरवी रखकर जुटाए गए कुछ कर्ज का भुगतान कर दिया है और कुछ वित्त का पूर्व भुगतान कर दिया है। मामले से जुड़े दो सूत्रों ने बताया कि जिन प्रोजेक्ट्स पर ग्रुप ने कुछ समय के लिए आगे नहीं बढ़ने का फैसला लिया है, उनमें एक मिलियन टन सालाना ग्रीन पीवीसी प्रोजेक्ट भी शामिल है। ग्रुप ने वेंडर्स और सप्लायर्स को तत्काल आधार पर सभी एक्टिविटीज को रोकने के लिए मेल भेज दिया है। मेल में ग्रुप ने मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड के ग्रीन पीवीसी प्रोजेक्ट के लिए अगले नोटिस तक सभी एक्टिविटीज को रोकने को कहा है।पीवीसी प्लास्टिक का दुनिया का तीसरा सबसे व्यापक रूप से उत्पादित सिंथेटिक बहुलक है। इसका व्यापक उपयोग होता है। फर्श से लेकर, सीवेज पाइप बनाने और अन्य पाइप अनुप्रयोगों में, बिजली के तारों पर इन्सुलेशन, पैकेजिंग और एप्रन आदि के निर्माण में। यही कारण है कि अदाणी ग्रुप ने इसको लेकर परियोजना की योजना बनाई थी। भारत में लगभग 3.5 एमटीपीए की पीवीसी मांग साल-दर-साल सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। 1.4 मिलियन टन पीवीसी के लगभग स्थिर घरेलू उत्पादन के साथ, भारत मांग के साथ तालमेल रखने के लिए आयात पर निर्भर है।

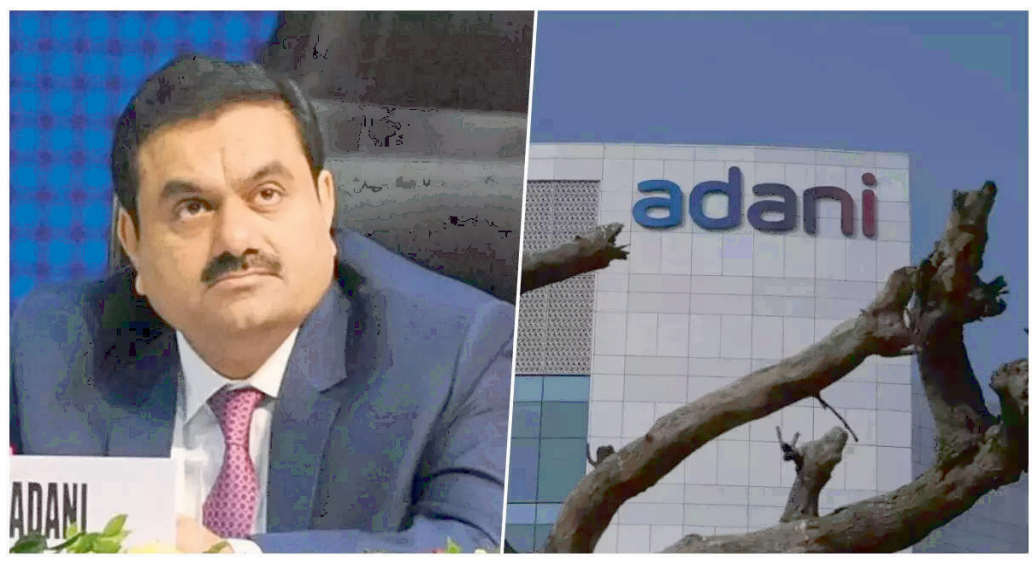

मीडिया रिपोर्ट्स ने सूत्रों के हवाले से ये खबर दी है। अदाणी एंटरप्राइजेज ने साल 2021 में गुजरात के कच्छ में अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनोमिक जोन भूमि पर कोल टू पीवीसी प्लांट स्थापित करने के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड को इनकॉरपोरेट किया था।

राहुल ने विस्तृत जवाब के लिए दिल्ली पुलिस से 10 दिन का समय मांगा, अचानक कार्रवाई पर उठाए सवाल

राहुल गांधी ने चार पेज , 10 पॉइंट में दिल्ली पुलिस को अपना जवाब दिया है। अपने जवाब में राहुल गांधी ने पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

नई दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिए भाषण को लेकर दिल्ली पुलिस ने जो नोटिस जारी किया था, राहुल गांधी ने उसका जवाब दे दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, राहुल गांधी ने चार पेज , 10 पॉइंट में दिल्ली पुलिस को अपना जवाब दिया है। अपने जवाब में राहुल गांधी ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने पुलिस की कार्रवाई को अभूतपूर्व बताया है और कहा है कि अदाणी मामले को उठाने के चलते उनके खिलाफ यह कार्रवाई हुई है।

क्या है मामला

बता दें कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने अपने एक भाषण में दावा किया था कि कई महिलाएं उनसे मिलने आईं थी। वो रो रहीं थी और काफी भावुक थीं। उनमें से कुछ ने बताया कि उनके साथ बलात्कार हुआ है, उत्पीड़न हुआ है। राहुल गांधी ने बताया कि जब उन्होंने महिलाओं से पूछा कि क्या वह पुलिस को इस बारे में बताएं तो महिलाओं ने कथित तौर पर कहा कि नहीं पुलिस को इस बारे में मत बताइए, वर्ना उन्हें ज्यादा परेशानी होगी। राहुल गांधी के इस बयान पर दिल्ली पुलिस ने उन्हें नोटिस जारी कर महिलाओं के बारे में जानकारी देने को कहा था ताकि पुलिस इसकी जांच कर सके। रविवार को दिल्ली पुलिस, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आवास भी पहुंची थी। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर ऑफ पुलिस सागर प्रीत हुड्डा ने बताया कि राहुल गांधी से उनके बयान के बारे में जानकारी मांगी गई। राहुल गांधी ने जवाब देने के लिए थोड़ा वक्त मांगा है।

नड्डा का कांग्रेस पर हमला, बोले- 2014 के बाद पीएम मोदी ने देश की राजनीतिक संस्कृति को बदला

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जेपी नड्डा ने रविवार को कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर हमला किया। भाजपा युवा मोर्चा की तरफ से आयोजित यूथ पार्लियामेंट को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी ने प्रजातंत्र की हर मर्यादा लांघ दी है। इंग्लैंड की सरजमीं पर जाकर कहते हैं कि 'भारत में लोकतंत्र' खतरे में है। कांग्रेस पार्टी आज मानसिक दिवालियेपन से ग्रसित है।'

नड्डा ने आगे कहा, '2014 से पहले कैसा था देश? हमारा देश भ्रष्टाचार से भरा हुआ था, नीतिगत पक्षाघात था और यह एक पिछड़ा राज्य (तमिलनाडु) था। यह भारत को दिया गया संप्रदाय था। आज पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया को एक नई राह दिखा रहा है। मोदी जी ने भारत की राजनीतिक संस्कृति को बदल दिया है।'

नड्डा ने कहा, 'मैं युवाओं से अपील करता हूं कि देश के कोने-कोने में जाएं और पीएम मोदी द्वारा भारतीय राजनीति में लाए गए बदलाव के बारे में सभी को बताएं।'

उन्होंने कहा, 'मैं युवाओं से अपील करता हूं कि देश के कोने-कोने में जाएं और पीएम मोदी द्वारा भारतीय राजनीति में लाए गए बदलाव के बारे में सभी को बताएं।'

और क्या बोले नड्डा?

नड्डा ने कहा, 'तमिलनाडु वह प्रदेश है, जो सबसे प्राचीन भाषा के लिए जाना गया है। तमिलनाडु... मंदिरों, अध्यात्मवाद, वेदों की भूमि और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना गया है। परंपराओं के साथ, अपने इतिहास और अपनी संस्कृति के साथ जो भूमि खुद को समावेश करती है वह भूमि है तमिलनाडु।'

उन्होंने पीएम मोदी का जिक्र किया। बोले, 'प्रधानमंत्री मोदी जी ने कहा था कि हमको एक यूथ पार्लियामेंट के माध्यम से अपने युवाओं में उनकी ऊर्जा को एक सीजन डेमाक्रेसी के तरीके से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है, इसलिए अपने युवाओं को इन्फॉर्म रखना और मुख्य बातों पर डिस्कस करना जरुरी होगा।'

बंगाल में अंतरराष्ट्रीय सीमा से हो रही थी सोने की तस्करी, जवानों ने जब्त किया, दो करोड़ है कीमत

नई दिल्ली। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के तहत आईसीपी पेट्रापोल, 145 बटालियन के जवानों ने शनिवार 18 मार्च को शाम के साढ़े छह बजे के करीब अंतर्राष्ट्रीय सीमा से पश्चिम बंगाल में सोने की तस्करी करने वाले एक युवक को पकड़ने में कामयाब रहे। भारत में अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए सोने की तस्करी की घटनाएं बढ़ गई हैं। तस्कर विदेशों से सोना छिपाकर यहां लाते हैं और बेचते हैं। एयरपोर्ट पर सुरक्षाबलों ने ऐसे कई तस्कर को रंगे हाथों पकड़ा है ऐसा ही एक मामला पश्चिम बंगाल से सामने आया है, जहां आईपीसी पेट्रापोल के जवानों ने शनिवार को सोने के बिस्किट से भरे ट्रक को पकड़ा। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के तहत आईसीपी पेट्रापोल, 145 बटालियन के जवानों ने शनिवार 18 मार्च को शाम के साढ़े छह बजे के करीब अंतर्राष्ट्रीय सीमा से पश्चिम बंगाल में सोने की तस्कर करने वाले एक युवक को पकड़ने में कामयाब रहे। जवानों के अनुसार, तस्कर खुद को ट्रक का चालक बता रहा था। इस ट्रक में सोने के कुल 40 बिस्किट थे, जिसका वजन 4667 ग्राम है। इन बिस्किट की कुल कीमत दो करोड़ रुपये हैं। जवानों ने चालक को पकड़कर ट्रक को जब्त कर लिया है।

सरकार ने शत्रु संपत्ति बेचने की शुरू की तैयारी, कीमत करीब एक लाख करोड़ रुपये

गाइडलाइंस के तहत अगर शत्रु संपत्ति की कीमत एक करोड़ रुपए से कम है तो CEPI पहले इन संपत्तियों पर काबिज लोगों से ही इन्हें खरीदने की पेशकश करेगा।

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश में मौजूद शत्रु संपत्ति बेचने की तैयारी शुरू कर दी है। बता दें कि ये वो संपत्तियां हैं जिनके मालिक पाकिस्तान या चीन जा चुके हैं और वहीं की नागरिकता ले चुके हैं। देश में 12,611 शत्रु संपत्तियां हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब एक लाख करोड़ रुपए है। इन शत्रु संपत्तियों का संरक्षक Custodian of Enemy Property for India (CEPI) है। शत्रु संपत्ति कानून के तहत CEPI का गठन किया गया था।

गृह मंत्रालय ने जारी किए दिशा-निर्देश

गृह मंत्रालय ने शत्रु संपत्तियों के निपटारे के लिए दिशा-निर्देशों में कुछ बदलाव किया है। इन बदलावों के तहत जिला मजिस्ट्रेट या डिप्टी कमिश्नर द्वारा इन शत्रु संपत्तियों को खाली कराया जाएगा और उसके बाद इन संपत्तियों की बिक्री की जाएगी। दिशा निर्देशों के तहत अगर शत्रु संपत्ति की कीमत एक करोड़ रुपए से कम है तो CEPI पहले इन संपत्तियों पर काबिज लोगों से ही इन्हें खरीदने की पेशकश करेगा। अगर संपत्ति पर रह रहे लोग इसे खरीदने से इनकार कर देते हैं तो फिर इन्हें गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों के तहत बेचा जाएगा।

वहीं जिन शत्रु संपत्तियों की कीमत एक करोड़ से लेकर 100 करोड़ के बीच है, उन्हें CEPI द्वारा ई-नीलामी के जरिए बेचा जाएगा या फिर केंद्र सरकार, शत्रु संपत्ति निपटारा कमेटी द्वारा सुझायी गई कीमत पर इन संपत्तियों को बेचेगी। ई-नीलामी प्लेटफॉर्म मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा शत्रु संपत्तियों की नीलामी की जाएगी। अभी चल संपत्तियों की नीलामी से सरकार को करीब 3400 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई होने की उम्मीद है।

इन राज्यों में हैं शत्रु संपत्तियां

सरकार ने देश में अभी तक कुल 12611 अचल शत्रु संपत्तियों की पहचान की है। सरकार ने इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर सर्वे किया था। ये शत्रु संपत्तियां देश के 20 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में फैली हुई हैं। इनमें से 12,485 संपत्तियां पाकिस्तान जा चुके लोगों की हैं। वहीं 126 संपत्तियों चीन की नागरिकता ले चुके लोगों की हैं। सबसे ज्यादा शत्रु संपत्तियां उत्तर प्रदेश (6,255 संपत्तियां) पश्चिम बंगाल (4088 संपत्तियां), दिल्ली (659 संपत्तियां), गोवा (295 संपत्तियां), महाराष्ट्र (208), तेलंगाना (158), गुजरात (151), बिहार (94), मध्य प्रदेश (94), छत्तीसगढ़ (78) और हरियाणा (71) संपत्तियां शामिल हैं।

केरल में भी 71 शत्रु संपत्तियां हैं। वहीं उत्तराखंड (69), तमिलनाडु (67), मेघालय (57), असम में (29), कर्नाटक में (24), राजस्थान में (22), झारखंड में (10) दमन और दीव में (चार) और आंध्र प्रदेश और अंडमान निकोबार में एक-एक शत्रु संपत्तियां हैं।

सभी एम्स में केंद्र सरकार कर सकती है नियुक्तियां! बनाई गई उच्च स्तरीय कमेटी

एम्स में केंद्र सरकार द्वारा कर्मचारियों की नियुक्ति की संभावनाओं पर विचार के लिए एक कमेटी बनाई गई है, जिसमें नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अतिरिक्त सचिव, स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी, नई दिल्ली स्थित एम्स के निदेशक शामिल हैं।

देश के 18 नए एम्स में करीब 44 प्रतिशत फैकल्टी पद खाली हैं। एम्स राजकोट में 183 पद मंजूर हैं लेकिन इनमें से महज 40 पद ही भरे जा सके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बीते साल लोकसभा में यह जानकारी दी थी।

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय देशभर के एम्स में केंद्रीय स्तर पर नियुक्तियां (Central Recruitment) करने पर विचार कर रहा है। ये नियुक्तियां शैक्षिक और गैर शैक्षिक दोनों स्तरों पर होंगी। बता दें कि देश में नए खुले एम्स में कर्मचारियों की कमी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। यही वजह है कि केंद्र सरकार खुद इन संस्थानों में नियुक्तियां करने की संभावनाओं पर विचार कर रही है। अभी एम्स संस्थान खुद अपने स्तर पर ही कर्मचारियों की नियुक्तियां करते हैं।

सरकार ने गठित की कमेटी

एम्स में केंद्र सरकार द्वारा कर्मचारियों की नियुक्ति की संभावनाओं पर विचार के लिए एक कमेटी बनाई गई है, जिसमें नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अतिरिक्त सचिव, स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी, नई दिल्ली स्थित एम्स के निदेशक शामिल हैं। बता दें कि बीती आठ जनवरी को एम्स भुवनेश्वर में सेंट्रल इंस्टीट्यूट बॉडी (CIB) की बैठक हुई थी, जिसमें विभिन्न एम्स में फैकल्टी और अन्य कर्मचारियों की तेजी से नियुक्ति करने पर मंथन हुआ। इसी बैठक में एम्स संस्थानों में केंद्रीय स्तर पर कर्मचारियों की नियुक्ति करने पर विचार किया गया। 28 फरवरी को इस संबंध में एक कमेटी का गठन किया गया था।

स्टाफ की कमी से जूझ रहे एम्स

बता दें कि देश के 18 नए एम्स में करीब 44 प्रतिशत फैकल्टी पद खाली हैं। एम्स राजकोट में 183 पद मंजूर हैं लेकिन इनमें से महज 40 पद ही भरे जा सके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बीते साल लोकसभा में यह जानकारी दी थी। एम्स राजकोट के साथ ही एम्स विजयपुर और एम्स गोरखपुर में भी फैकल्टी के कई पद खाली पड़े हैं। एम्स संस्थानों में मेडिकल छात्रों को पढ़ाने के लिए सरकार ने फैकल्टी की पर्याप्त सीटों को मंजूरी दी थी। साथ ही एक एम्स से दूसरे एम्स में फैकल्टी के ट्रांसफर की सुविधा भी दी गई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के डाटा के अनुसार, देश के 18 नए एम्स में 4026 पद मंजूर किए गए थे, जिनमें से 2259 पद ही भरे जा सके हैं। एम्स में नियुक्ति के लिए सरकार ने प्रोफेसर पद पर नियुक्ति के लिए उम्र सीमा भी 50 साल से बढ़ाकर 58 साल कर दी है। साथ ही सरकारी मेडिकल कॉलेज से भी फैकल्टी को डेप्युटेशन पर लेने की मंजूरी दी थी। साथ ही रिटायरमेंट की उम्र भी बढ़ाकर 70 साल कर दी गई है। विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों की भी एम्स में फैकल्टी पद पर नियुक्ति की छूट दी गई थी। हालांकि इतने प्रावधानों के बावजूद एम्स स्टाफ की कमी से जूझ रहे हैं।

अखिलेश यादव बोले: एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही भाजपा, कांग्रेस जैसा ही होगा हाल; विपक्षी मोर्चे पर कही यह बात

परिवहन विशेष संवाददाता

सपा मुखिया ने कहा, पहले कांग्रेस केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करती थी और अब भाजपा भी ऐसा ही कर रही है। कांग्रेस अब खत्म हो चुकी है। भाजपा का भी यही हश्र होगा।

नईदिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केंद्रीय एजेंसियों का विपक्षी दलों के किलाफ दुरुपयोग कर रही है। इससे वह कांग्रेस की तरह ही राजनीतिक रूप से खत्म हो जाएगी। यादव ने जातिगत जनगणना पर भी जोर दिया और कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में यह एक बड़ा मुद्दा होगा।

'कांग्रेस अब खत्म हो चुकी, भाजपा का भी होगा यही हाल'

यादव ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, पहले कांग्रेस केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करती थी और अब भाजपा भी ऐसा ही कर रही है। कांग्रेस अब खत्म हो चुकी है। भाजपा का भी यही हश्र होगा। उन्होंने कहा कि वे केवल उन दलों के पीछे एजेंसियां भेज रहे हैं, जो भाजपा से लड़ रहे हैं।

'एजेंसियों के दुरुपयोग से भगवा खेमे को नहीं मिलेगी मदद'

यह पूछे जाने पर कि क्या 2024 के लोकसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग बढ़ेगा, यादव ने कहा, ₹ऐसा हो सकता है लेकिन इससे भगवा खेमे को मदद नहीं मिलेगी, क्योंकि अगले कुछ महीनों में लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो जाएगी।

'भाजपा की हार तय करने के लिए कोई कमी नहीं छोड़ेगी सपा'

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी में पारित राजनीतिक प्रस्ताव के बारे में कहा कि उनकी पार्टी यह सुनिश्चित करने कोई कसर नहीं छोड़ेगी कि अगले साल होने वाले चुनाव में उत्तर प्रदेश और देश में भाजपा की हार हो। यादव ने कहा, उत्तर प्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है जो भाजपा को रोक सकता है, क्योंकि उसके

पास सबसे ज्यादा सीटें हैं। हम उत्तर प्रदेश में भाजपा को हराएंगे। पूरा देश सपा की ओर देख रहा है।

'बड़े कॉरपोरेट घरानों के लिए काम कर रही भाजपा'

अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा ने कई झूठ बोले हैं, चाहे वह डीजल-पेट्रोल या एलपीजी की कीमतें हों या कीमतों में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी बड़े कॉरपोरेट घरानों के लिए काम कर रही है।

कम से कम 50 लोकसभा सीटें जीतना लक्ष्य: शिवपाल यादव

पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि सपा ने 2024 के चुनाव में उत्तर प्रदेश की कुल 80 लोकसभा सीटों में से कम से कम 50 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। यह पूछे जाने पर कि आम चुनाव से पहले प्रस्तावित विपक्षी मोर्चे की क्या योजना होगी, यादव ने कहा कि इसका खुलासा नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य भाजपा को हराना है। वर्तमान में विपक्षी मोर्चा बनाने के प्रयास जारी हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तेलंगाना के. चंद्रशेखर राव (अपने दम पर) प्रयास कर रहे हैं।

'कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी, अपनी भूमिका तय करे'

यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस को इस तरह के प्रस्तावित विपक्षी मोर्चे से बाहर रखा जाएगा, शिवपाल यादव ने कहा, कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी, इसलिए उसे अपनी भूमिका तय करनी है। राहुल गांधी के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर यादव ने हैरानी जताई कि क्या भाजपा ने कांग्रेस की मदद के लिए ऐसा किया।

कर्नाटक में दोबारा सत्ता पाने के लिए BJP ने बनाया बड़ा प्लान, पुराने मैसूर पर फोकस

नई दिल्ली। इस क्षेत्र में रामनगर, मांड्या, मैसूर, चामराजनगर, कोडागु, कोलार, तुमकुरु और हासन जिले शामिल हैं। इन जिलों में वोक्कालिगा समुदाय के लोग ज्यादा रहते हैं। जद (एस) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष डी के शिवकुमार इसी समुदाय समुदाय से आते हैं।

कर्नाटक में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सियासी दलों के बीच हलचल तेज हो गई है। राजनीतिक दलों ने अलग-अलग तरह से जीत हासिल करने के लिए प्लान बनाकर काम करना शुरू कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने भी दोबारा सत्ता हासिल करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा ने इसको लेकर प्लान बनाया है। इसके मुताबिक, पार्टी का काफी फोकस पुराने मैसूर पर है। वोक्कालिगा समुदाय बहुल वाले इस क्षेत्र में जद(एस) और कांग्रेस का दबदबा है। अब भाजपा इसमें सेंध लगाने की कोशिश में जुटी है।

इस क्षेत्र में रामनगर, मांड्या, मैसूर, चामराजनगर, कोडागु, कोलार, तुमकुरु और हासन जिले शामिल हैं। इन जिलों में वोक्कालिगा समुदाय के लोग ज्यादा रहते हैं। जद (एस) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी

कुमारस्वामी और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष डी के शिवकुमार इसी समुदाय समुदाय से आते हैं।

इन जिलों की 58 विधानसभा सीटों में 24 पर जद (एस), 18 पर कांग्रेस और 15 पर भाजपा को पिछले चुनाव में जीत मिली थी। भाजपा को निष्कासित बसपा विधायक एन महेश का समर्थन भी हासिल है जो चामराजनगर जिले में कोल्लेगल के विधायक हैं।

मांड्या जिले के वोक्कालिगा गढ़ में, सात में से छह जद (एस) के विधायक हैं, रामनगर में चार में से तीन विधायक हैं और हासन में सात में से छह सीटें जद (एस) के पास हैं। मैसूर की 11 में से चार सीटें जद (एस) के पास हैं, जबकि इस जिले में कांग्रेस के पास चार और भाजपा के पास तीन सीटें हैं।

अपने दम पर आगे बढ़ना चाहती भाजपा

भाजपा ने इन क्षेत्रों में अपने प्रदर्शन को सुधारने का प्लान बनाया है। पार्टी के शीर्ष नेता कहते हैं कि वह अकेले दम पर कर्नाटक के इन क्षेत्रों में बढ़त बनाएगी। कर्नाटक में भाजपा चार बार सत्ता में आई, लेकिन हर बार पार्टी के पास बहुमत नहीं था। किसी तरह पार्टी ने बहुत के आंकड़ों को छूकर सरकार बनाई। हालांकि, 2019 लोकसभा चुनाव के नतीजों ने जरूर भाजपा का हौसला बढ़ाया है। तब पार्टी ने सूबे की 28 में से 25 सीटों पर जीत हासिल की थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023